तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 35 अंक 245 | कोरबा, बुधवार, दिनांक 05 जून 2024 डाक 06 जून 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
हावड़ा में लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान पार्टी की बढ़त पर जश्न मनाते टीएमसी समर्थक और कार्यकर्ता

देश-विदेश
दिल्ली में कांग्रेस को ये चीज ले डूबी, आप से गठबंधन के बावजूद नहीं चखा जीत का स्वाद

फीचर पेज
गर्मियों में दूध को खट्टा होने से रोकने के लिए अपनाएं ये 5 आसान टिप्स

क्या नीतीश करेंगे खेला ? एक ही फ्लाइट से दिल्ली आ रहे तेजस्वी और बिहार के मुख्यमंत्री

नईदिल्ली, 05 जून [एजेंसी]।

लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। एनडीए गठबंधन को 292 सीटें मिली है। वहीं, आई.एन.डी.आई. गठबंधन को 243 सीटें प्राप्त हुई है। भाजपा पूर्ण बहुमत के आंकड़े को अकेले दम पर छूने में कामयाब नहीं हो सकी है। हालांकि, टीडीपी और जेडीयू जैसे दलों की वजह से मोदी सरकार तीसरी बार सरकार बनने की ओर बढ़ चुकी है। दिल्ली में आज एनडीए और आई.एन.डी.आई. की बैठक होने वाली है। इस बैठक में शामिल होने के लिए सीएम नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव पटना से रवाना हो चुके हैं। इसके बाद पीएम आवास पर एनडीए घटक दलों की बैठक होगी, जिसमें नई सरकार के गठन में मंथन किया जाएगा। एनडीए की बैठक में हिस्सा लेने के लिए नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, जीतन राम मांझी, चिराग पासवान और एकनाथ शिंदे समेत अन्य नेता दिल्ली पहुंच रहे हैं। दोनों नेता एक ही फ्लाइट में दिल्ली के लिए रवाना हुए। फ्लाइट में बैठे दोनों की तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। पटना से दिल्ली आने वाली फ्लाइट में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की मुलाकात हुई। नीतीश जब अपनी सीट पर पहुंचे, तो पीछे वाली सीट पर तेजस्वी पहले से बैठे हुए थे। नीतीश को देखकर तेजस्वी खड़े हुए और नमस्कार किया। नीतीश ने भी नमस्कार किया और पैर की चोट के बारे में पूछा। इसके बाद नीतीश भी अपनी सीट पर बैठ गए। मीडिया ने प्रतिक्रिया चाही, तो दोनों नेताओं ने हाथ जोड़ते हुए इनकार कर दिया। भाजपा खेमे से खबर है कि नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू से समर्थन की चिट्ठी मिलने के बाद ही भाजपा सरकार बनाने का दावा पेश करेगी। लोकसभा चुनाव के रिजल्ट सामने आने के बाद अब सरकार बनाने की बारी है। एनडीए के पास 293 सीटें है। उम्मीद लगाई जा रही है कि तीसरी बार नरेंद्र मोदी की नेतृत्व की सरकार बनने जा रही है। एनडीए की बैठक में सरकार गठन पर चर्चा होगी। वहीं, आई.एन.डी.आई. गठबंधन की बैठक में विपक्षी नेता आगे की रणनीति बनाएंगे। चुनाव में जेडीयू ने 12 सीटें जीती है। वहीं, आरजेडी 4 सीटें जीतने में कामयाब हुई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज मोदी सरकार 2.0 को विदाई देंगी

नईदिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज मोदी सरकार 2.0 को विदाई देंगी। इसके लिए भोज का आयोजन किया गया

हम एनडीए में हैं, दिल्ली में होने वाली बैठक में जा रहा हूं, चंद्रबाबू नायडू ने लगाया अटकलों पर विराम

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) ने बंपर जीत दर्ज की है। एनडीए के साथ लड़े चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस बीच लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत नहीं मिला और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) भी 300 के आंकड़े से चूक गया। तब से ही अटकलें लगाई जाने लगीं कि तेदेपा और जदयू से इंडिया के घटक दल बात करेंगे और उन्हें अपने साथ आने के लिए मनाएंगे। इस बीच तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने कहा कि आप हमेशा खबरें चाहते हैं। मैं अनुभवी हूं और मैंने इस देश में कई राजनीतिक बदलाव देखे हैं। हम एनडीए में हैं, मैं एनडीए की बैठक में जा रहा हूं। चुनाव संपन्न होने के बाद दिल्ली जाने से पहले यह मेरी पहली प्रेस वार्ता है। मैं मतदाताओं के समर्थन से बहुत खुश हूं। राजनीति में उतार-चढ़ाव आम बात है। इतिहास में कई राजनीतिक नेताओं और पार्टियों को बाहर कर दिया गया है। यह एक ऐतिहासिक चुनाव है। यहां तक कि विदेशों से भी मतदाता अपने वोट का प्रयोग करने के लिए अपने गृहनगर लौट आए हैं।

क्रॉसिंग रिपब्लिक के ग्लास गेट पर लगी भीषण आग

गाजियाबाद, 05 जून [एजेंसी]।

गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके में एंट्री के वक्त एक बड़ा सा ग्लास गेट बना हुआ है। इस ग्लास गेट में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। जिसके बाद अफरा तफरी का माहौल हो गया। घटना के वक्त मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मचारियों ने आसपास के लोगों की सहायता से हाइड्रेंट के जरिए आग पर काबू पाने की कोशिश की। तब तक मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी पहुंच चुकी थी, जिसने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। चीफ फायर ऑफिसर गाजियाबाद राहुल पॉल से मिली जानकारी के मुताबिक, जनपद ग़ाज़ियाबाद के फायर स्टेशन कोतवाली में बुधवार सुबह 8.49 बजे क्रॉसिंग रिपब्लिक के मेन गेट में आग की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन कोतवाली से क्रॉसिंग रिपब्लिक में उपस्थित यूनिट को सूचना दी गई। इसके बाद फायर यूनिट ने तत्काल घटनास्थल पर जाकर देखा तो गेट पर होर्डिंग इत्यादि भी लगे थे। इससे पूरे इलाके में काला धुआं फैल रहा था और सोसायटी में मौजूद लोग वहां पर लगे हाइड्रेंट की मदद से आग को बुझा रहे थे।

पीएम मोदी ने सीएम योगी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके 52वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सरकार राज्य में गरीबों के सशक्तीकरण के लिए काम कर रही है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम ने लिखा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। वह उत्तर प्रदेश की प्रगति और गरीबों तथा दलितों के लिए काम कर रहे हैं। मैं उनकी लंबी और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। मुख्यमंत्री इस बार अपने जन्मदिन पर कोई कार्यक्रम नहीं कर रहे हैं और उन्होंने समर्थकों से भी इस मौके पर कोई जश्न न मनाने का आग्रह किया है। सीएम योगी पहले भी अपने जन्मदिन पर कोई बड़ा आयोजन नहीं करते थे।

लोकसभा चुनाव में बीएसपी का खराब प्रदर्शन, मायावती ने कहा- मुसलमानों को सोच-समझकर ही टिकट देंगे

लखनऊ 5 जून। लोकसभा चुनाव के नजीते आ चुके हैं, जिसके बाद एक बार फिर से केंद्र में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। लेकिन इस चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली है। चुनाव नतीजों के बाद बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया पर पत्र के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसमें उन्होंने खास तौर पर मुस्लिम समाज को लेकर नाराजगी जताई है। बीएसपी सुप्रीमो ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी का खास अंग मुस्लिम समाज, जो पिछले कई चुनावों में और इस बार भी उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद भी बीएसपी को ठीक से नहीं समझ पा रहा है। अब ऐसी स्थिति में आगे इनको काफी सोच समझ कर ही चुनाव में पार्टी द्वारा मौका दिया जाएगा, जिससे आगे पार्टी को भविष्य में इस बार की तरह भयंकर नुकसान ना हो। मायावती ने कहा कि हमारी पार्टी चुनाव आयोग से शुरू से ही यह मांग करती रही है कि चुनाव बहुत लंबा नहीं खिंचना चाहिए, बल्कि आम लोगों के हितों के साथ-साथ, चुनाव ड्यूटी में लगने वाले लाखों सरकारी कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों आदि के व्यापक हित व सुरक्षा आदि को ध्यान में रखते हुए यह चुनाव अधिक से अधिक तीन या चार चरणों में ही कराया जाना चाहिए था।

भूचाल के बाद संभला बाजार, सेंसेक्स 650 अंक चढ़ा, निफ्टी 22000 के पार पहुंचा

नईदिल्ली, 05 जून [एजेंसी]।

चुनाव परिणामों के दिन औंधे मुंह गिरने के बाद बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर कारोबार करता दिख रहा है। शुरुआती कारोबार में सेसेक्स में 600 अंकों तक की बढ़त दिखी। दूसरी ओर, निफ्टी एक बार फिर 22000 का स्तर पार करने में सफल रहा। हालांकि बुधवार की सुबह भी ऊपरी स्तरों से बाजार में बिकवाली दिखी। सुबह 9 बजकर 39 मिनट पर सेंसेक्स में 188.90 (0.26 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 72,267.95 के स्तर पर कारोबार होता दिखा। वहीं निफ्टी 46.05 (0.21 प्रतिशत) अंक चढ़कर 21,930.55 के स्तर पर पहुंच गया।

4 ट्रैकर्स ने तोड़ा दम, भटक गए थे रास्ता, सदमे में परिजन

उत्तरकाशी, 05 जून [एजेंसी]।

उत्तराखंड में डेंजर वाले एडवेंजर के चक्कर में चार ट्रैकर्स की दर्दनाक मौत हो गई है। जबकि, भारी बर्फबारी में फंसे 13 अन्य ट्रैकर्स को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन ने रेस्क्यू टीम को मौके लिए रवाना किया। यह दर्दनाक हादसा उत्तरकाशी जिले में हुआ है। सहस्त्रताल की ट्रैकिंग पर गया 22 सदस्यों वाले एक ट्रैकिंग दल के खराब मौसम के चलते रास्ता भटक जाने के कारण चार सदस्यों की मौत हो गई है।

बाकी सदस्यों के इस उच्च हिमालयी ट्रेक रुट में फंसने की सूचना है। हादसे की खबर लगते ही जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने ट्रैकरों को रेस्क्यू करने के लिए तत्काल मौके पर रेस्क्यू टीम में भेजे जाने को एसडीआरएफ के मुख्यालय से आग्रह किया है। स्थानीय स्तर से तत्काल रेस्क्यू दलों को रवाना करने के निर्देश जारी किए हैं।

जिलाधिकारी ने इस बाबत एसडीआरएफ के कमांडेंट को पत्र भेजते हुए अवगत कराया है कि अध्यक्ष, ट्रैकिंग ऐजेन्सी, उत्तरकाशी एवं गाईड राजेश ठाकुर द्वारा कल शाम को प्रशासन को बताया कि हिमालयन व्यू ट्रैकिंग ऐजेंसी, मनेरी के द्वारा मल्ला-सिल्ला-कुशकल्याण-सहस्त्रताल ट्रैक पर एक 22 सदस्यीय ट्रैकिंग दल गया है। जिसमें कर्नाटक के 18 सदस्य एवं महाराष्ट्र का एक सदस्य और तीन स्थानीय गाईड शामिल थे। दल को गत 29 मई को सहस्त्रताल के ट्रैकिंग अभियान पर रवाना करवाया गया था।

एयर कनाडा की दिल्ली-टोरंटो फ्लाइट में बम की धमकी, एयरपोर्ट पर हड़कंप

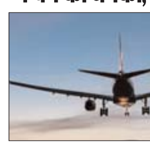

नईदिल्ली, 05 जून [एजेंसी]।

एयर कनाडा के टोरंटो जाने वाले विमान में उस समय दहशत फैल गई जब इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे को एक ईमेल मिला जिसमें दावा किया गया कि विमान में बम रखा गया है। जांच करने पर फ्लाइट में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। एक अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) कार्यालय को मंगलवार रात 10.50 बजे एक ईमेल मिला जिसमें कहा गया कि दिल्ली-टोरंटो एयर कनाडा की उड़ान में बम रखा गया है।

जिसके बाद तुरंत फ्लाइट को उड़ान भरने से रोका गया। पुलिस ने सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए फ्लाइट की जांच की लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। शनिवार को चेन्नई से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी मिली थी। फ्लाइट 6E 5314 ने चेन्नई से सुबह करीब सात बजे उड़ान भरी थी। यह सुबह करीब पौने नौ बजे मुंबई हवाईअड्डे पर उतरी। हवाईअड्डे के अधिकारी तुरंत हरकत में आ गए। सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित उतारा। फिलहाल, पूरे विमान की तलाशी ली लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

मुंबई में मानसून से पहले की पहली बारिश, गर्मी से मिली राहत

मुंबई, 05 जून [एजेंसी]।

मुंबई के कई इलाकों में बुधवार सुबह मौसम की पहली प्री-मानसून बारिश हुई, जिससे लोगों को scorching hot और उमस से कुछ राहत मिली। मुंबईकरों ने सुबह आसमान में बादल छाए देखे और शहर के कुछ इलाकों में सुबह करीब 7 बजे से हल्की बारिश शुरू हो गई। एक नागरिक अधिकारी ने बताया कि दादर, कांदिवली, मगथाने, ओशिवारा, वडाला, घाटकोपर जैसे शहर के कई इलाकों में सुबह 7 से 8 बजे के बीच 4 मिमी से 26 मिमी के बीच बारिश हुई। मध्य और दक्षिण मुंबई के कुछ इलाकों में भी हल्की बारिश हुई।

अधिकारी ने बताया कि शहर में सड़क transportation और रेल सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं। आमतौर पर मुंबई में मानसून जून के दूसरे सप्ताह में आता है। पिछले महीने, मुंबई में तेज हवाओं के साथ बेमौसम बारिश हुई थी, जिसके दौरान घाटकोपर इलाके में एक होर्डिंग गिर गई थी, जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी।

बच्चों के नेत्र अस्पताल में लगी भीषण आग

नईदिल्ली। दिल्ली में बुधवार को बच्चों के नेत्र अस्पताल में भीषण आग लग गई। Event के तुरंत बाद, 12 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं

और आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। यह घटना लाजपत नगर के आई 7 चिल्ड्रन हास्पिटल में हुई। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि इमारत से काले धुएं का गुबार निकल रहा है।

नतीजों के बाद चिदंबरम ने मांगा पीएम मोदी का इस्तीफा बोले- इस सरकार में बेरोजगारी, महंगाई चरम पर

नईदिल्ली, 05 जून [एजेंसी]।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने लोकसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता में बने रहने का अधिकार खो दिया है। इसलिए उन्हें नैतिकता के आधार पर खुद ही स्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए चिदंबरम ने कहा, मोदी सरकार बरोजगारी और महंगाई को कम करने में नाकाम रही है। चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को अब सत्ता छोड़ देनी चाहिए। पिछली बार भाजपा ने 303 सीटें जीती थीं और इस बार 370 सीटें जीतने का दावा किया था लेकिन पार्टी 240 के आसपास ही सिमट गई। मोदी सरकार ने लोगों के दो सबसे बड़े मुद्दे बेरोजगारी और महंगाई को स्वीकार नहीं किया।

मोदी सरकार में बेरोजगारी और महंगाई दोनों चरम पर हैं। चिदंबरम ने आगे कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के जनमत से स्पष्ट हो गया है कि वो नई सरकार चाहते हैं। राजनीतिक पार्टियों को जनता के फैसले का सम्मान करते हुए नई सरकार बनानी चाहिए। चिदंबरम ने कहा कि भाजपा ने एनडीए के 400 पार का दावा किया था लेकिन वो 240 पर ही सिमट गए। हालांकि कांग्रेस को लेकर चिदंबरम का कहना है कि 99 सीटें जीतने के साथ ही कांग्रेस में काफी मजबूती हुई है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

पीएम मोदी को प्रधानमंत्री बनने से रोकने के लिए कुछ भी करूंगा, ओवैसी का भाजपा पर वार

हैदराबाद, 05 जून [एजेंसी]।

एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद लोकसभा सीट के उम्मीदवार असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के अलावा किसी अन्य उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह पीएम मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने से रोकने के लिए कुछ भी करेंगे। एआईएमआईएम प्रमुख ने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान ही उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था। हैदराबाद लोकसभा सीट से ओवैसी के खिलाफ भाजपा ने माधवी लता को चुनावी मैदान में उतारा था। इस सीट से ओवैसी ने 338087 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। मीडिया से बात करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, मैं अगर, लेकिन और संभावनाओं पर बात नहीं कर सकता।

चुनाव के दौरान ही मैंने कहा था कि अगर पीएम मोदी के अलावा कोई और उम्मीदवार प्रधानमंत्री बन सकता है, तो मैं उसका समर्थन करूंगा। चुनावी नतीजों का जिक्र करते हुए ओवैसी ने कहा कि भाजपा को इतनी सीटें भी नहीं मिलनी चाहिए थी।

पदक विजेता खिलाड़ियों का किया गया सम्मान

कोरबा। छत्तीसगढ़ किकबाक्सिंग एसोसिएशन के तत्त्वधान में सी एम ए लिकबक्सिंग एकेडमी में दिनाक 3 जून 2024 को में गत 11वी राज्य स्तरीय किकबाक्सिंग प्रतियोगिता कोरबा , रायपुर एवं पुणे में आयोजित राष्ट्रीय किकबाक्सिंग स्पर्धा के पदक प्राप्त खिलाड़ियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

छत्तीसगढ़ किकबाकसिंग एसोसिएशन के संस्थापक एवं कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा ने बताया कि उक्त सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री मा. श्री लखन देवांगन देवांगन जी ने सभी खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इन्होंने एकेडमी के प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन कर राज्य को देश में सेकंड रनर अप ट्राफी जितने पर बधाई दी। इन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत के निर्माण में सभी आयामों के साथ साथ खेल और खिलाड़ियों की भी अहम भूमिका है। किकबाक्सिंग खेल से मनोबल बढ़ता है और इस खेल के विकास के लिए वे हर संभव सहयोग करते रहेंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी एवं क्रीड़ा भारती के संयोजक बलाराम विश्वकर्मा ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। जिले एवं राज्य की टीम के सभी खिलाड़ियों एवं आफिशियल के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर किकबाक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा, महासचिव आकाश गुरुदीवान, जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष नौशाद खान, सचिव सुरेश क्रिस्टोफर, जिला खेल अधिकारी दिनु पटेल, रामकृपाल साहू, क्रीड़ा अधिकारी के आर टण्डन, क्रीड़ा भारती कोरबा के अध्यक्ष बलराम विश्वकर्मा, सीएमए किकबॉक्सिंग एकेडमी की संचालिका प्रीती मिश्रा, अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी ,प्रतिभा राय,अंतराष्ट्रीय रेफरी देवसागर साहू,प्रभात साहू, विकास नामदेव, रितेश साहा, अशोक साहू, जुनैद आलम, रमेश साहू, लोकिता चौहान, अंकुश लाल यादव, पूजा पांडेय,सानू मेहराज, मो आसिफ, शुभम यादव, हिमांशु यादव, सोमेश साहू, तुषार सिंह, रमनदीप सिंह, आदित्या पाल एवं खेलप्रेमियों ,अभिभावकगण ने शुभकामनाएं दी। मंच संचालन वरिष्ठ उद्घोषक रविंद्र साहू ने किया।

जीत पर डॉ. महंत व श्रीमती महंत ने जताया आमजनो का आभार

कोरबा । कोरबा लोकसभा क्षेत्र से दूसरी बार भरोसा जताए जाने पर सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने लोकसभा क्षेत्र की आमजनो के प्रति बारंबार आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि जनता के आशीर्वाद के बिना यह कठिन लड़ाई जीतना संभव नहीं थी, हमने मिलकर सब के सहयोग से कार्यकर्ताओं के बलबूते यह चुनाव जीता है, यह जीत समस्त कार्यकर्ताओं व कोरबा लोकसभा क्षेत्रवासियों को समर्पित है।

प्रदेश नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत एवं श्रीमती महंत ने कहा है कि कोरबा लोकसभा क्षेत्रवासियों का जो स्नेह और आशीर्वाद महंत परिवार को सदैव मिलता रहा है, उसके लिए महंत परिवार सदैव उनका ऋणी रहेगा। आज देर संध्या मतगणना कार्य के निपटान के बाद महंत दंपत्ति अपने कोरबा स्थित आवासगृह में वहा उमड़ी हर्षित भीड़ के प्रति प्रसन्नता भरी कृतज्ञता जताते हुए अपनी जीत का श्रेय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं, बूथ के कार्यकर्ताओं की मेहनत को देते हुए कहा कि ये सभी कार्यकर्ता मेरी शक्ति बने। डॉ. चरणदास महंत और पूरे महंत परिवार को भी वे जीत का श्रेय देना चाहती हैं जो मेरी ताकत बने। यह जीत सभी कार्यकर्ताओं को समर्पित है। उनके आवासगृह में अंचल सहित आसपास के क्षेत्रों से भी उमड़ी भीड़ का उन्हें जीत पर बधाई देने वालो का तांता लगा रहा जिनमे कॉंग्रेसजनों के अलावा समाजसेवी समाजप्रमुख व्यवसायी बुद्धिजीवी प्रभुद्ध नागरीको ने पहुंचकर उन्हें हृदय से बधाई दी। सांसद श्रीमती ने कहा कि कोरबावासियों की आवाज कभी भी दबने नहीं दी जाएगी और देवतुल्य कोरबा लोकसभा क्षेत्र के आमजनो को हम निराश नहीं होने देंगे। दिल्ली में कोरबा लोकसभा की आवाज और भी मजबूत होकर उठाई जाएगी।

डॉ. महंत एवं सांसद ने समस्त जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों, सदस्यों सभी कार्यकर्ताओं, बूथ पदाधिकारी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सोशल मीडिया सेल, इंटक और कांग्रेस के सभी सहयोगी संगठनों एवं दलों के साथ-साथ पूरे चुनाव में कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने वाले विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं शुभचिंतकों के प्रति भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त की है।

बजरंगबली के दरबार पहुंचीं श्रीमती महंत

मतगणना के दौरान रूझानों में आगे रहने और जीत की खबर मिलने पर मतगणना स्थल पहुंचने से पहले श्रीमती ज्योत्सना महंत ने कोसाबाड़ी स्थित श्रीसिद्ध मंशापूर्ण हनुमान मंदिर में पहुंचकर मत्था टेका व आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात वे मतगणना स्थल के लिए रवाना हुईं।

लोगों को राहत दिलाने दिन रात मेहनत में जुटे विद्युत कर्मी

कोरबी/चोटिया। भीषण गर्मी के 47- 48 डिग्री तापमान में जहां सब अपने घरों में पंखे, कूलर, एसी में रहकर तथा भरी दोपहरी घर से निकलना दूभर हो गया था। ऐसे में संविदा कर्मचारी के रूप में अल्प वेतन पाने वाले बिजली कर्मचारी बिना सुविधा के विद्युत व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए आग उगलते दिन के अलावा रात में भी काम कर मेहनत करते रहे।

थोड़ा सा लाइट गुल होने पर लोगों के निरंतर फोन आना कि कब आएगी लाइट, कुछ काम नही करते हो, फ्री की तनख्वाह ले रहे हो और भी तमाम तरह की बाते सुनते हुए भी पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक के अंतर्गत दुरगामी विहड वनांचल ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 70 गांवों में बिना निराश ना हताश होते हुए बल्कि इन सबके बीच भरी दोपहरी तपते हुए खम्भे पर चढ़कर और पिघलती हुई बिजली के वायर जिसके बीच जलभुन कर शिद्दत से काम करने वाले ऐसे सिपाही के जज्बे को हम सलाम करते है जो जनता के पीड़ा को समझते हुए कि जितनी जल्दी से जल्दी विद्युत अवरोध को ठीक कर सके ताकि जनसामान्य को उतनी जल्दी भीषण गर्मी से राहत मिल सके। हालांकि प्री मानसून के बीच हुई बारिश ने लोगो को गर्मी से हल्की राहत दी है। लेकिन आने वाले बरसात के दिनों में भी इन बिजली कर्मचारियों को आराम नही क्योंकि अंधड़ व बारिश में विद्युत आपूर्ति बहाल करने में ये जुटे रहेंगे। बरसाती दिनों में जहां तेज आंधी के बीच विद्युत तार पर पेड़ो की डंगाल टूटकर गिरना तो तार आपस मे टकराकर लाइन फाल्ट होना, वहीं तेज बारिश से इंसुलेटर क्रेक होना आम बात रहता है। ऐसे में अपने कार्यों को लेकर दिन- रात सजग इन कर्मचारियों के हौसलों की सराहना भी हम करते है जिनके द्वारा अपनी जान की बाजी लगाकर बिजली सेवा बहाल की दिशा में काम कर रहे है।

बिजली कर्मचारी संघ महासंघ ने चलाया सदस्यता अभियान

कोरबा । भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ कोरबा वृत्त के सचिव एवं प्रदेश मंत्री यशवंत राठौर के नेतृत्व में प्रतिनिधियों द्वारा कोरबा जिले के सभी संभाग, उपसंभाग एवं वितरण केंद्रों में प्रवास कर सघन सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है।इसके अंतर्गत बरपाली, सोहागपुर, रामपुर, करतला, भैसमा, कोरबा उपसंभाग, रजगामार, बालको, दर्री ग्रामीण एवं जोन, पाली, चैतमा, बांगो, तुलसी नगर, पाड़ीमार तथा उपसंभाग एवं संभागीय कार्यालय कटघोरा में दौरा कर सभी नियमित एवं अनियमित रूप से कार्य करने वाले बिजली कर्मियों को महासंघ के संगठनात्मक स्वरूप से अवगत कराते हुए अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने हेतु जागरूक किया जा रहा है। इससे प्रभावित होकर अब तक लगभग 100 लोगों ने सदस्यता ग्रहण की है।कोरबा वृत्त से प्रतिनिधियों में सत्यप्रकाश गांधी गुप्ता, भुवनेश्वर साहू, अजय मिश्रा, सुनीता जायसवाल, गजेन्द्र कौशिक, सतीश साहू, देवानंद बढ़ई, छत्रपाल सिंह, मनीष सिंह, नरोत्तम धारी, संजय पटेल, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, राघवेन्द्र साहू, शरद पटेल एवं संतोष साहू के द्वारा सदस्यता अभियान लगातार चलाया जा रहा हैं।

सट्टा कारोबारःपुलिस ढूढ़ रही कुछ और युवकों को

कोरबा । कोरबा सिटी कोतवाली पुलिस को शहर के तीन युवा की तलाश है। बताया जा रहा हैं की ये युवा अन्य बड़े शहर में बैठकर सट्टा कारोबार को संचालित करते है। हाल में गिरफ्तार गांधी चौक निवासी युवक से मिले इनपुट के बाद इनकी तलाश शुरू की गयी हैं।

अंचल में कथित सटोरियों की एक के बाद एक गिरफ्तारी के बाद पुलिस को कई बड़े चेहरे सट्टा कारोबार को संचालित करने के इनपुट मिल रहे है। पकड़े गए इन कथित सटोरियों से मिले इनपुट के बाद पुलिस अन्य युवको की तलाश कर रही है। इनके तार राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट सट्टा से जुड़े होने की संभावना जताई जा रही हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए चित्रकला प्रतियोगिता

कोरबा। भारत सरकार के मिशन लाइफ स्टाइल फॉर इन्वायरनमेंट कार्यक्रम के अंतर्गत हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) संजय शर्मा के आतिथ्य व मार्गदर्शन में आम जनमानस के बीच पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के प्रचार प्रसार हेतु विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में रविवार को बच्चों में पर्यावरण अनुकूल आदतों व व्यवहार को विकसित करने हेतु चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्री नर्सरी से लेकर 8 वीं कक्षा तक के बच्चे शामिल थे। प्रतियोगिता में बच्चों को आयु सीमा के आधार पर तीन वर्ग में बांटा गया। प्री नर्सरी से कक्षा एक तक, कक्षा दो से कक्षा 5वीं तक तथा कक्षा 6 से कक्षा 8वीं तक वर्ग में विद्यार्थी शामिल हुए। प्रतियोगिता में बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया तथा पर्यावरण से संबंधित सुंदर चित्रकारी की। बच्चों ने विभिन्न रंगों के माध्यम से अपनी कला का परिचय देते हुए अपनी भावनाओं को चित्रित किया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता (एस एंड एससी) राजेश बंजारा, मुख्य संरक्षा अधिकारी प्रिया मिश्रा, सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) विकास उइके ने अपनी उपस्थिति से बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

चालक ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

कोरबा । जिले में काम कर लौटते ही एक वाहन चालक की तबीयत बिगड़ गई। उसे तेज बुखार के साथ हाथ, पैर में दर्द होने लगा। उसकी सेहत में सुधार नही होने पर परिजनों ने इलाज के लिए उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दाखिल कराया, जहां आईसीयू में चार दिनों तक चले इलाज के बाद भी उसकी जान नही बचाई जा सकी। जानकारी के अनुसार कुसमुंडा थानांतर्गत प्रेमनगर में धनेश दास नामक युवक 63 वर्ष परिवार सहित निवास करता था। वह कुसमुंडा खदान में नियोजित एक निजी कंपनी में बतौर वाहन चालक काम करता था। उसे चार दिन पहले परिजनों ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल दाखिल कराया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

अपने पिता की मृत्यु की वजह पुत्र ने लू को बताया है। उसने बताया कि उसके पिता नौतपा में भी भीषण गर्मी के बीच काम कर रहे थे। वे तेज धूप के बीच वाहन चलाकर घर लौटे। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें सुबह शाम तेज बुखार के साथ हाथ पैर में दर्द होने लगा। इलाज के बाद भी उनकी सेहत में सुधार नही हो सका। लिहाजा उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल दाखिल कराया गया, जहां पिता को बीते चार दिन से आईसीयू में रख इलाज किया जा रहा था। इसके बाद भी उनकी जान नही बचाई जा सकी। देर रात इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उसका कहना है कि पिता को किसी तरह की बीमारी नही थी। उनकी तबीयत तेज गर्मी के कारण ही बिगड़ी थी।

मामले को मेडिकल कॉलेज के सह अधीक्षक डॉ. रविकांत जाटवर के संज्ञान में लाया गया। उन्होंने वृद्ध की मौत को लेकर उपचार करने वाले चिकित्सक से चर्चा की। तत्पश्चात बताया कि वृद्ध को चार दिन पहले दाखिल किया गया था। उसका उपचार आईसीयू में रख किया जा रहा था। उसकी मौत निमोनिया की वजह से हुई है।

शांति व्यवस्था बनाने चौक-चौराहों पर तैनात रहे जवान

कोरबा । कोरबा जिले में मतगणना के दौरान या चुनाव परिणाम आने के बाद मतगणना स्थल समेत शहर में किसी तरह की अप्रिय वारदात या शांति व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर शहर के ट्रांसपोर्ट नगर चौक, सीएसईबी चौक, घंटाघर चौक, सुभाष चौक, कोसाबाड़ी चौक, पुराना बस स्टैंड सहित शहर के प्रमुख चौराहों व स्थानों पर पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई थी। पुलिस जवान सुबह से देर रात तक अपनी ड्यूटी पर तैनात रहे। इसी तरह पुलिस की करीब 20 पेट्रोलिंग टीम बनाई गई थी, जो मतगणना स्थल के आसपास सड़क से लेकर शहर की सड़कों व वार्डों में पेट्रोलिंग करते हुए निगरानी कर रही थी। मतगणना स्थल पर किसी तरह की अप्रिय वारदात होने पर नियंत्रण के लिए एडी स्कवाड, रस्सा पार्टी के साथ ही रिजर्व फोर्स रखी गयी थी।

बालको की पहल से माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन के प्रति बढ़ी लोगों की जागरूकता

बालकोनगर। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता दिवस के अंतर्गत समुदाय के साथ मिलकर एमएचएम सप्ताह का आयोजन किया। पूरे सप्ताह कंपनी ने कोरबा के ग्रामीण क्षेत्रों में माहवारी से जुड़े अनेक भ्रांतियां को दूर करने और सस्टेनेबल माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए समुदाय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये।

बालको ने 'सपोर्टिंग ग्रीन पीरियड्स' पहल की शुरुआत की जो सस्टेनेबल माहवारी स्वास्थ्य प्रथाओं को बढ़ाने के लिए कर्मचारियों की स्वैच्छिकता के साथ मिलकर क्षमता निर्माण का प्रयास है। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को स्वयं के लिए कपड़े से बने पैड को सिलने के कौशल के साथ सशक्त बनाना था जिससे उनकी पैड की आवश्यकता पूरी हो सके। विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से 1,500 से अधिक किशोर और वयस्क तक पहुंच को सुनिश्चित किया गया। माहवारी की जानकारी को खेल और मनोरंजन से जोड़ने पर जागरूकता अभियान को समुदाय तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण सफलता मिली।

नयी किरण परियोजना के अंतर्गत माहवारी स्वच्छता दिवस के तहत साप्ताहिक माहवारी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में विभिन्न कार्यक्रम शामिल किये गये। मां-बेटी, सास-बहू सम्मेलन के तहत कंपनी ने लोकप्रिय 'सांप सीढ़ी' खेल का मानवीय संस्करण तैयार किया जिसमें माहवारी पर संवाद एवं बातचीत को सरल बनाया गया है। खेल की मदद से महिलाओं और परिवार के सदस्य ने उत्साहपूर्वक माहवारी स्वास्थ्य मिथकों और तथ्य पर खुलकर चर्चा की। रात्रि चौपाल के तहत समुदाय में माहवारी की समझ को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से बनी शैक्षिक फिल्में दिखाई गईं। इन फिल्मों का उद्देश्य दिखाए गए पात्रों के व्यवहार के बारे में बातचीत को बढ़ावा देना है, जिससे समुदायों को माहवारी विषय पर बेहतर जानकारी देने में मदद मिली।

चाय पर चर्चा थीम के तहत ग्रामीण महिलाओं को एनीमिया से लड़ने के लिए संतुलित आहार की विस्तृत समझ और महत्व के लिए पोषण विशेषज्ञों का सत्र आयोजित किया गया। बेहतर माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) के लिए स्त्री

रोग विशेषज्ञ डॉ. गायत्री शर्मा के नेतृत्व में 500 से अधिक महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच किया गया। सेफ स्पेश कैंपेन का उद्देश्य एक न्यायसंगत और समावेशी समाज बनाना है जहां माहवारी के बारे में बातचीत सामान्य हो। इसके अंतर्गत लक्षित क्षेत्रों में माहवारी संबंधी उत्पाद, अस्पतालों और क्लीनिक के सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी सुरक्षित स्थान का स्टिकर लगाया गया। इस अभियान के तहत सभी सेवा प्रदाताओं से माहवारी पर बातचीत और पारदर्शी पैकेजिंग को खुले तौर पर अपनाने की शपथ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सरकारी विभाग के सहयोग से माहवारी पर समुदाय में साकारत्मक परिवर्तन को व्यापक बनाना है। इस पहल का उद्देश्य महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) जैसे सरकारी विभागों के साथ ज्ञान के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना और एमएचएम की समझ को और बढ़ाना है। इस सहयोग से एमएचएम को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल के साथ सामूहिक लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि हमारे दृष्टिकोण के अनुसार समुदाय का स्वास्थ्य सस्टेनेबल प्रगति की नींव है। स्वास्थ्य पहल के माध्यम से हम गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक सभी की पहुंच, सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने और बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध हैं। नयी किरण परियोजना के माध्यम से हम लोगों को सवेंदनशील बनाने का प्रयास कर रहे हैं। माहवारी के दौरान महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देने के साथ ही संवेदनशील लीडर तैयार किया जा रहा है।कंपनी को माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबंधन जागरूकता में उत्कृष्ट योगदान के लिए कई पुरस्कार मिले हैं। एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) ने विश्व माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता दिवस 2024 के अवसर पर माहवारी स्वच्छता-कॉर्पोरेट एवं सार्वजनिक उपक्रमों में सीएसआर पहल के लिए को प्रतिष्ठित एसोचैम पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया। बेस्ट हेल्थकेयर एक्सीलेंस सीएसआर फिल्म कटैगरी के लिए सारिका दोंद्रो की नयी किरण-2023 को सोशियो कॉर्प सीएसआर फिल्म फेस्टिवल एंड अवॉर्ड द्वारा पुरस्कृत किया गया। ग्रामालय द्वारा तीसरे एमएचएम इंडिया समिट-2023 'एमएचएम पर सर्वश्रेष्ठ सीएसआर पहल' पुरस्कार। सामुदायिक स्वास्थ्य पहल स्वास्थ्य, पोषण एवं कल्याण में उत्कृष्ट योगदान के लिए सबेरा अवॉर्ड तथा हेल्थ केयर के लिए 4 वां आईसीसी सोशल इम्पैक्ट अवॉर्ड-2022 से सम्मानित किया गया।बालको ने नयी किरण परियोजना को वर्ष 2019 से सार्थक जन विकास संस्थान के सहयोग से कोरबा जिले के गांवों एवं नगर पालिक निगम क्षेत्रों में माहवारी से जुड़ी मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने के लिए परियोजना लागू की। माहवारी के दौरान स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देना, माहवारी संबंधी उत्पाद विकल्पों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित प्रजनन स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए है। अब तक 45 गांवों में जागरूकता पैदा करने और क्षमता निर्माण गतिविधियों के माध्यम से लगभग 60,000 से अधिक लोगों को संवेदनशील बनाने में मदद की है। नयी किरण छत्तीसगढ़ के कोरबा, पोड़ी उपरोड़ा, करतला, पाली और कटघोरा तक फैला है। परियोजना ने किशोर लड़कों एवं लड़कियों, स्व-सहायता समूह (एसएचजी) महिलाओं और आंगनबाड़ी तथा आशा कार्यकर्ता से लेकर 600 से अधिक समुदाय के सदस्यों को मास्टर ट्रेनर और समुदाय में बदलाव के पथ प्रदर्शक के रूप में सक्षम बनाया है।

जहां से जीते विधायक, उनके क्षेत्रों में निपटी कांग्रेस

जांजगीर-चांपा। लोकसभा चुनाव में विधानसभा चुनाव के उलट ही परिणाम आया। लोकसभा क्षेत्र के आठों विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस का परचम फहराया था और महज 6 माह में 8 में से 5 विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी ने इस खाई को पाटते हुए जीत हासिल कर ली। लोकसभा में भाजपा की लगातार यह पांचवीं बार जीत है। लोकसभा के जैजैपुर , बिलाईगढ़ और पामगढ़ विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी शिव डहरिया को बढ़त मिली मगर ये बढ़त भी मामूली है जबकि 5 विधानसभा अकलतरा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, चंद्रपुर और कसडोल में भाजपा प्रत्याशी कमलेश जांगड़े ने विधानसभा में हुए गड्ढे को पाटते हुए अधिक वोटों से बढ़त बनाई।

कांग्रेस प्रत्याशी ने जैजैपुर में 8 हजार 854 वोट से बढ़त बनाई जबकि पामगढ़ में मात्र 477 वोटों से बढ़त बनाई। बिलाईगढ़ में 2 हजार 331 वोटों से कांग्रेस को बढ़त मिली मगर अकलतरा में ही 7 हजार 733 वोट से कांग्रेस पीछे रह गई जबकि जांजगीर-चांपा विधानसभा में सर्वाधिक 26 हजार 908 वोटों से कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा। वहीं सक्ती में भी 18 हजार 452 वोटों से कांग्रेस पिछड़ गई। चंद्रपुर में भी उसे 1216 वोटों से पराजय का सामना करना पड़ा जबकि कसडोल में 16 हजार 962 वोटों से कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ा। इस तरह 6 माह बाद ही 8 में से 5 विधानसभा में कांग्रेस की करारी हार हुई। यहां के विधायक जितने वोटों से जीते थे उतने से जीत तो दूर बल्कि हजारों वोटों से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि इसकी वजह विधानसभा और लोकसभा चुनाव के मुद्दों का अलग होना भी कारण है। यह पहली बार नहीं हुआ है कि विधानसभा चुनाव के विपरीत नतीजे यहां आए हैं। लगातार पांचवीं बार यहां विधानसभा और लोकसभा के वोटों के आंकड़ों में काफी उलट फेर होता है।

विधानसभावार कांग्रेस और भाजपा को मिले वोट

विधानसभा भाजपा कांग्रेस
अकलतरा -80623 - 72890
जांजगीर-चांपा -89558 - 62650
सक्ती -83625 - 65173
चंद्रपुर -77565 - 76349
जैजैपुर -71822 - 80676
पामगढ़ -65569 - 66046
बिलाईगढ़ -87912 - 90243
कसडोल -119066 - 102104
योग -675740 - 616131

पेड़ों की कटाई जारी, आखिर कैसे होगी इलाके में पर्यावरण की रक्षा

जांजगीर- चांपा। जिले के जंगलों में अंधाधुंध पेड़ों की कटाई और लगातार बढ़ती जनसंख्या से पर्यावरण असंतुलित होने लगा है। बढ़ती जनसंख्या, नगरीकरण व उद्योगों के कारण उपजाऊ भूमि की कमी होती जा रही है, वहीं फैक्ट्रियों से निकलने वाले धुएं और अपशिष्ट पदार्थ ने पर्यावरण को पूरी तरह से प्रदूषित कर दिया है।जिले की आबादी लगभग 10 लाख है। औद्योगिक इकाइयों के बढ़ने से यहां का वातावरण प्रदूषण के चपेट में है। प्रदूषण का असर कम होने के बजाय लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे मनुष्य सहित पेड़ पौधे व जीव-जन्तु भी प्रभावित हो रहे हैं। औद्योगिकरण व जनसंख्या वृद्धि के चलते पिछले एक दशक में जिले के भू-जल स्तर में कापुी गिरावट आई है।

कारखानों की चिमनियों व वाहनों के धुएं से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इन धुओं के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, वहीं वाहनों में उपयोग होने वाले डीजल-पेट्रोल में शीशा मिले होने के कारण धुएं से कार्बन डाई आक्साइड, कार्बन मोनो आक्साइड व डाई ऑक्सिन जैसे विषैली गैस निकलती है। लोगों के शरीर को सीधे नुकसान हो रहा है। पालीथीन भी धरती के लिए घातक है। इससे जमीन की उर्वरा क्षमता में कमी आती है। वहीं जलीय जंतु व पालतू जानवर इसे खाकर असमय मौत के मुंह में चले जाते हैं।

पालीथीन के खतरे से बचने जूट व कागज के थैले का उपयोग होना चाहिए। इसी तरह मोटर गाड़ियों के सायरन, फैक्ट्रियों के कलपुर्जो का शोर व मोबाइल टॉवर से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगे लोगों के लिए कापुी हानिकारक है। इस प्रभाव से लोग बहरेपन का शिकार होते जा रहे हैं और याददाश्त में भी कमी आती जा रही है। इसके अलावा लगातार बढ़ती जनसंख्या की पर्यावरण असंतुलन में

महत्वपूर्ण भूमिका है। बढ़ती जनसंख्या के कारण लगातार उपजाऊ भूमि का रकबा घट रहा है। दूसरी ओर वनों की धड़ल्ले से कटाई व पौधरोपण के प्रति लोगों की उदासीनता से वातावरण प्रदूषण के चपेट में आ गया है। लोगों की भौतिक जरुरतें भी बढ़ रही है।

नदियों पर मंडरा रहा संकट

औद्योगिक इकाइयों द्वारा सिंचाई विभाग से किए गए अनुबंध से ज्यादा नदी का पानी उपयोग किया जा रहा है, जिसके चलते गर्मी की शुरुआत से ही बोराई और माण्ड नदी का पानी सूख जाता है। वहीं हसदेव और महानदी का जल स्तर भी अब गर्मियों में कम हो जा रहा है। जिसके चलते नदी तट पर बसे गांव के लोगों को निस्तार के लिए परेशान होना पड़ता है।

कुओं की उपेक्षा

निस्तारी के लिए हैण्डपंप व नलों पर निर्भरता ने कुओं के रखरखाव के लिए लोगों को उदासीन बना दिया है। जिले के शहर सहित गांवों के बड़े कुएं कूड़ेदान में तब्दील होते जा रहे हैं। वहीं अब नए कुएं नहीं खोदे जा रहे हैं। घरों के तमाम कूड़े-करकट तालाब किनारे पुंक दिए जाते हैं और नालियों के गंदे पानी को तालाबों में छोड़ दिया जाता है। जिले के अधिकांश तालाबों की हालत खराब है। गंदगी से पटने के कारण अब लोगों ने तालाब में निस्तार करना कम कर दिया है। कुओं के पाट दिए जाने से जलस्तर भी नीचे जा रहा है। लोगों को भावी पीढ़ी के लिए जल बचाने की कोई चिंता नहीं है।

लगातार कट रहे जंगल

बलौदा ब्लॉक के कई गांव जंगल के आसपास बसे हैं। कुछ वर्ष पहले खिसोरा, पंतोरा, बेलटुकरी, कण्डरा, चारपारा, सोनगुढ़ा सहित लगभग सैकड़ों गांवों के आसपास बड़ी संख्या में साल, सागौन, बीजा, तेंदू, घावड़ा, तिन्सा,हल्दू, आंवला, चार, बांस के पेड़ थे। जिनसें फल, फूल व लगभग ढ़ाई सौ प्रजाति की औषधियां मिलती थी, लेकिन लकड़ी चोरों द्वारा पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से जिले के कई जंगल उजड़ गए। जिले में मात्र 4 प्रतिशत वन हैं। टावर लाइन ले जाने, सड़क निर्माण तथा जलाऊ लकड़ी व फर्नीचर के लिए पेड़ों को काटे जाने से जंगल का दायरा सिमट रहा है।

नहीं बन रहे वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

जिले के गांवों व शहरों में मकान निर्माण धड़ल्ले से चल रहा है। हर साल सैकड़ों मकान बन रहे हैं। लगातार मकान बनने से जल संकट गहराने लगा है। वाटर हार्वेस्टिंग विधि काफी पुरानी है, जिससे वर्षा के जल का पूरी तरह सदुपयोग किया जा सकता है, लेकिन लोग इसके प्रति उदासीन है और प्रशासन भी इसे गंभीरता से नहीं ले रहा है। जिसके चलते हर साल गर्मी में पेयजल की समस्या गहराने लगती है।

पर्यावरण को लेकर जागरूक नहीं लोग

जिले के अधिकांश गांव व शहर गर्मी की शुरुआत से ही जल संकट के भयंकर दौर से गुजर रहे हैं। यहां के लोगों में पौधरोपण करने व प्राकृतिक जल स्त्रोत को सुरक्षित रखने के लिए जागरुकता की कमी है, वहीं प्रशासन द्वारा लोगों को जागरुक करने के प्रयास भी नहीं किए जा रहे है। ऐसे में समय रहते यदि लोगों में जागरुकता नहीं आती है तो आने वाले समय में पर्यावरण पूरी तरह से प्रदूषण के चपेट में आ जाएगा।

पढ़ाई हो व्यवहारिक

प्रदूषण नियंत्रण के लिए सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल और कालेज के पाठ्यक्रमों में पर्यावरण अध्ययन को शामिल करने का निर्देश दिया है, लेकिन राज्य शासन द्वारा स्कूल कालेजों में लागू पाठ्यक्रम पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त नहीं है। इसमें केवल जल प्रदूषण वायु, ध्वनि व मृदा प्रदूषण के कारण निदान आदि का ही अध्ययन किया जाता है। जबकि पर्यावरण अध्ययन को सैद्धांतिक के बजाय व्यवहारिक किए जाने की आवश्यकता है। इसमें छात्रों को पौधे लगवाने व उनकी देखरेख के लिए प्रेरित करने का प्रावधान हो। वहीं किसानों को खेत व खाली जमीन पर पेड़ लगाने व उसकी सुरक्षा करने पर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

इलेक्ट्रानिक सामानों की चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

पामगढ़। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुड़पार (चुरतेला) स्कूल से कम्प्यूटर सेट चोरी करने वाले दो किशोर को पुलिस ने पकड़ा है। दोनों को किशोर न्यायालय में पेश कर बाल संप्रेक्षण गृह कोरबा भेजा गया। मामला पामगढ़ थाना का है।शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुड़पार (चुरतेला) के प्राचार्य अमृत भार्गव 12 मई को 11 बजे स्कूल बंद कर अपेन घर चले गए थे।

इसके बाद वे13 मई को कार्यालयीन समय पर स्कूल आए तोदेखा कि स्कूल के मुख्य द्वार से लगा हुआ छोटे द्वार का ताला टूटा हुआ था। स्कूल के अंदर जाकर देखे तो कम्प्यूटर कक्ष का ताला टूटा हुआ था कक्ष अंदर में रखा सीपीयू, मानिटर, की बोर्ड एवं माउस सहित 80 हजार रुपये को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। उन्होंने इसकी रिपोर्टथाने में दर्ज कराई जिस पर पुलिस ने भादवि की धारा 454, 380 के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया।

घटना स्थल का निरीक्षण कर अज्ञात आरोपितों एवं चोरी गये सामानों की पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो किशोर चोरी किये कम्प्यूटर को बेचने के फिराक में ग्राहक तलाश रहे हैं। दोनों को पकड़कर पूछताछ की गई। जिसमें उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार किया। पुलिस ने दोनों को किशोर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें बाल सुधार गृह कोरबा भेजा गया।

बदलेगा मौसम, हल्की बारिश साथ चलेगी आंधी

जांजगीर। जिले में मंगलवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री व न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहा। सोमवार की तुलना में अधिकतम तापमान दो डिग्री ज्यादा रहा। जबकि न्यूनतम तापमान एक डिग्री कम रहा। सुबह से शाम तक अधिकांश समय के लिए धूप खिली रही। इसके चलते लोगों को गर्मी व उमस का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन तक गर्मी व उमस से राहत की उम्मीद कम है क्योंकि अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। हालांकि मौसम में बदलाव के लिए सिस्टम सक्रिय हो चुका है। इससे देर शाम जिले में हल्की बारिश के साथ तेज हवा और अंधड़ चलने की संभावना बनी हुई है।

ऐसे में तापमान में ज्यादा इजाफा नहीं होने का अनुमान लगा रहे है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून मध्य अरब सागर के कुछ और भाग, कर्नाटक के कुछ और भाग, रॉयल सीमा, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के कुछ भाग और पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी तथा उत्तर पश्चिम बंगाल के खाड़ी के कुछ हिस्से तक पहुंच चुका है। मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई है।

पौधरोपण और संरक्षण के प्रति जागरूक किया

रायगढ़। दोनों जिले के चयनित 40-40 मास्टर ट्रेनर्स को यूथ व इको क्लब से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का संचालन, निरीक्षण व विकासखंड स्तर पर प्रशिक्षण देने के लिए शासकीय नटवर इंग्लिश स्कूल में प्रशिक्षण दिया गया।कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए यूथ एवं क्लब के जिला नोडल अधिकारी एवं एपीसी आलोक स्वर्णकार ने कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य में यूथ एवं युवा क्लब विद्यालय की एक अनिवार्य गतिविधि हो गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम जिस भीषण गर्मी से गुजर रहे हैं। उसके प्रति चिंतन करना चाहिए। छोटे बच्चों को शुरू से ही पौधों एवं उनके रोपण और संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए उनके महत्व को बताना चाहिए।

भाजपा ने शुरुआत से बनाई बढ़त, राधेश्याम की जीत से झूमें कार्यकर्ता

रायगढ़। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के साथ ही रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र की तस्वीर धीरे-धीरे साफ होती जा रही है। छत्तीसगढ़ के सबसे हाट सीटों में शामिल रायगढ़ लोकसभा सीट-2 के परिणामों को लेकर हर कोई उत्सुक था। पूरे देश व प्रदेश की नजरें इस चर्चित सीट पर थी। परिणाम सामने आए हैं उसमें भाजपा के लिए अनुकूल रहा आलम यह रहा कि सीएम के गृह संसदीय सीट को भाजपा ने राज्य गठन के बाद अपने कब्जे में 5वीं बार जीतकर बरकरार रखा।

रायगढ़ लोकसभा चुनाव में भाजपा ने नए उम्मीदवार के रूप में राधेश्याम को चुनाव मैदान में उतारा था। वहीं दूसरी और कांग्रेस ने उम्मीदवार के रूप राजघराने से डा मेनका सिंह को टिकट दी थी। शुरुआत से ही यह हाट सीट था दरअसल गोमती साय के विधायक बनने के बाद तक की स्थिति में चुनाव परिणामों को शुरू से ही कसमकस कीं स्थिति थी। लेकिन मंगलवार सुबह जब मतगणना की शुरूआत हुई तो परिणाम सामने आए वह चौकाने वाली थी।भाजपा एकतरफा सभी विधानसभा से लीड के साथ आगे बढ़ कर एक रोड मैप बनाने में लगी रही। जिसमें राधेश्याम राठिया को 13 वें राउंड तक 806667 मत प्राप्त हुआ है। वहीं निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी मेनका सिंह को 566487 मत मिला है।इस चुनाव में खास बात यह रही कि भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार राधेश्याम ने पहले राउंड से ही लीड लेना शुरू कर दी थी। लोकसभा क्षेत्र की सभी आठों विधानसभा क्षेत्रों जो परिणाम आए उसमें पहले ही राउंड से भाजपा ने लीड लेने की शुरूआत कर दी थी।

उपयोग विहीन 42 गाड़ियों को बेचने की तैयारी कर रहा स्वास्थ्य विभाग

बिलासपुर। स्वास्थ्य विभाग की कंडम 42 गाड़ियों को नीलाम करने एक बार फिर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नीलामी प्रक्रिया के लिए सभी गाड़ियों को जांच कर तैयार कर लिया गया है। संभवत अगले सप्ताह गाड़ियों की नीलामी की जाएगी। राज्य शासन से अधिकृत कंपनी मेटल स्क्रैप कारपोरेशन लिमिटेड करेगी। इससे मिलने वाली राशि सीधे शासन के खाते में जाएगी।

सरकंडा के नूतन चौक स्थित स्वास्थ्य विभाग परिसर में लगभग 30 कंडम एम्बुलेंस वाहनें हैं। इसमें संजीवनी एक्सप्रेस 108, महतारी एक्सप्रेस 102 समेत कुछ अन्य एम्बुलेंस शामिल हैं। इसी तरह जिला अस्पताल में 10 महतारी एक्सप्रेस और दो कंडम एम्बुलेंस हैं। इन्हें नीलाम करने के लिए बीच-बीच में प्रक्रिया की जाती थी, लेकिन विभागीय दिक्कत की वजह से नीलामी की प्रक्रिया को पूरी नहीं हो सकी। अब इन कंडम गाड़ियों की नीलामी करने के निर्देश शासन स्तर पर मिल गए

हैं। नीलामी प्रक्रिया पूरी करने शासन स्तर पर एक कंपनी बनाई गई है, अब वे ही इन गाड़ियों की नीलामी करेंगी और मिलनी वाली नीलामी राशि को सीधे शासन के खाते में डाल दिया जाएगा।

मौजूदा स्थिति में स्वास्थ्य विभाग कंडम गाड़ियों का प्राकलन तैयार कर रहा है। इसके बाद रिपोर्ट कम्पनी को दिया जाएगा। इसके बाद कंपनी गाड़ियों को जल्द ही नीलाम करने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

सभी सरकारी विभागों की गाड़ियां होंगी नीलाम

स्वास्थ्य विभाग ही अब मेटल स्क्रैप कारपोरेशन लिमिटेड कंपनी ही अन्य सरकारी विभाग के कंडम गाड़ियों की भी नीलामी करेगी। शासन ने इसके लिए कंपनी को अधिकृत किया है। आने वाले दिनों में अन्य विभागों की कंडम गाड़ियों की भी नीलामी होगी।

* **सारंगढ़।** खनिज विभाग द्वारा अवैध खनन, परिवहन व भंडारण पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए उड़नदस्ता का गठन किया गया है। साथ ही अवैध उत्खनन परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए उपाय किए जा रहे हैं। माह अप्रैल-मई दौरान 18 अप्रैल को कोयला का अवैध परिवहन में संलिप्त वाहन को जब्त कर थाना सरसीवा में रखा और अर्थदण्ड की राशि वसूल किया गया। 20 अप्रैल को कटंगपाली-बोंदा क्षेत्र तहसील-सरिया में खनिज डोलोमाइट के अवैध उत्खनन पर कार्रवाई करते हुए तीन प्रकरण दर्ज किए।

एप डाउनलोड करना पड़ा महंगा, किशोरी से छह लाख रुपये की ठगी

जशपुरनगर। कम समय में अधिक आय का झांसा देकर,अज्ञात आरोपित ने किशोरी से 6 लाख 80 हजार रूपये की आन लाइन ठगी कर ली। पीड़िता के स्वजनों की शिकायत पर अपराध दर्ज कर,पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार 15 वर्षिय किशोरी के इंटरनेट मिडिया वाट्सएप पर एक मैसेज आया।

इसमें आरोपित ने कम समय में अधिक आय का लालच देकर,किशोरी को एक एप डाउनलोड करने को कहा। शातिर अपराधी के झांसे में आ कर, किशोरी ने एप डाउनलोड कर लिया। इस एप के माध्यम से आरोपित ने किशोरी से 1 हजार रूपये यूपीआई के माध्यम से मंगवाया और कुछ ही देर में उसे 13 सौ रूपये रिटर्न कर दिया।

किशोरी को अपने जाल में फांसने के लिए आरोपित ने अलग-अलग बैंक खाते में छोटी-छोटी रकम जमा कर और उसमें कुछ रूपये जोड़ कर,वापस कर,किशोरी को अपने जाल में पूरी तरह से जाल में फांस लिया। और उसे अधिक रकम भेजे जाने पर रकम दोगुना करने का लालच दिया।

लालच में आ कर किशोरी ने अपनी मां की मोबाइल से 6 लाख 80 हजार रूपये भेज दिये। इसके बाद आरोपित के मोबाइल से मैसेज आना बंद हो गया। घटना की शिकायत पर,कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ धारा 420 के अंर्तगत ठगी का अपराध दर्ज कर,मामले की जांच शुरू कर दी है।

कमलेश पहले ही चुनाव में बनी सांसद, विधायक डहरिया को 60 हजार से हराया

जांजगीर- चांपा। जांजगीर चांपा लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी कमलेश जांगड़े ने 60 हजार मतों से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी और राज्य में नगरीय प्रशासन मंत्री रहे डा. शिव कुमार डहरिया को हराया। कमलेश जांगड़े को 6 लाख 78 हजार 199 वोट मिले जबकि डा.शिव डहरिया को 6 लाख 18 हजार 199 वोट मिले। इस तरह जांजगीर-चांपा लोकसभा में लगातार पांचवीं बार भाजपा ने जीत दर्ज की है।लोकसभा चुनाव के वोटों की गिनती सुबह 8 बजे शुरू हुई। जिला मुख्यालय के पालीटेक्निक कालेज में जांजगीर-चांपा, अकलतरा और पामगढ़ विधानसभा के मतों की गणना हुई।

वहीं सक्ती के नंदेली भाठा स्थित कृषि उपज मंडी में सक्ती, चंद्रपुर और जैजैपुर विधानसभा के मतों की गणना हुई जबकि सारंगढ़ के कृषि उपज मंडी में बिलाईगढ़ विधानसभा और बलौदाबाजार के कृषि उपज मंडी में कसडोल विधानसभा के वोटों की गिनती की गई। परिणाम की घोषणा जांजगीर में हुई। यहां प्रेक्षकों की उपस्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आकाश छिकारा ने भाजपा प्रत्याशी कमलेश जांगड़े को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र दिया। मतों की गणना अलग-अलग चरणों में हुई। विधानसभा अकलतरा में 17 राउंड, विधानसभा जांजगीर-चांपा एवं पामगढ़ में 16-16 राउंड, विधानसभा सक्ती 17 राउंड, विधानसभा

चन्द्रपुर 19 राउंड, जैजैपुर 20 राउंड, बिलाईगढ़ में 18 एवं कसडोल में 20 राउंड में ईवीएम मशीनों की गणना की गई जबकि डाक मतपत्र की गणना शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज पेण्ड्री भांठा जांजगीर में हुई।

डाक मतपत्र की गणना के लिए 14 टेबल लगाए गए थे। परिणाम देखने के लिए जांजगीर और चांपा के प्रमुख चौक कहचरी और चांपा के लायंस चौक में एलईडी टीवी की व्यवस्था की गई थी। हालांकि निर्वाचन आयोग के इलेक्शन रिजल्ट एप एवं टीवी तथा मोबाइल से लोग पल-पल की खबर लेते रहे। तेज गर्मी होने के कारण मतगणना केंद्र में मतगणना एजेंट और ड्यूटीरत अधिकारी - कर्मचारी तथा मीडिया के लोग थे। मतगणना केंद्र के बाहर भी लोगों की भीड़ नहीं थी। शाम 6 बजे भाजपा कार्यकर्ता वहां पहुंचे और जीत की खुशी का इजहार किया लोगों ने प्रत्याशी को बधाई दी।

किसको कितने वोट मिले

भारतीय जनता पार्टी की कमलेश जांगड़े को 6 लाख 78 हजार 199 मत प्राप्त हुए। वहीं कॉग्रेस के डा. शिवकुमार डहरिया को 6 लाख 18 हजार 199, बहुजन समाज पार्टी के डा. रोहित डहरिया को 48501, हमर राज पार्टी अनिल मनहर को 5780, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के गोपाल प्रसाद खुंटे को 1483, आजाद जनता पार्टी के जगजीवन राम सतनामी को 837, आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के दीपक कुमार खूंटे को 1829, छत्तीसगढ़ विकास गंगा राष्ट्रीय पार्टी की बृन्दा चौहान को 924, राष्ट्रीय जनसभा पार्टी के विजय कुमार कुर्रे को 983, असंख्य समाज पार्टी की विजयलक्ष्मी सूर्यवंशी नट को 1422, शक्ति सेना (भारत देश) के अधिवक्ता शैलेन्द्र बंजारे (शक्तिपुत्र) को 1253, निर्दलीय अरविन्द कुमार को 1715, निर्दलीय आनंदराम गिलहरे को 2877, निर्दलीय एड.टी.आर. निराला को 5794, निर्दलीय मीना चौहान को 2931, निर्दलीय इंजीनियर रेवा कुर्रे को 8159, निर्दलीय विद्यादेवी सोनी को 4881 एवं निर्दलीय सीमा महिलांगे को 1336 मत प्राप्त हुए । इनमें से कोई नहीं (नोटा) को 5137 मत प्राप्त हुए।

डाकमत पत्र में भी बीजेपी आगे

डाकमत पत्र की गिनती पहले हुई। इसमें भाजपा की कमलेश जांगड़े को 2459 और कांग्रेस के शिव डहरिया को 2068 वोट मिले जबकि बसपा को 412 वोट मिले। इस तरह डाकमत पत्र में भी बीजेपी आगे रही जबकि 855 डाकमत पत्र रिजेक्ट हुए। शासकीय अधिकारी कर्मचारियों द्वारा डाले गए डाकमत पत्रों की इतनी बड़ी संख्या में रिजेक्ट होना मतदान के प्रति इनकी लापरवाही को भी प्रगट करता है।

जनता और कार्यकर्ताओं की जीत

जीत के बाद कमलेश जांगड़े ने कहा कि यह जीत जनता जनार्दन और कार्यकर्ताओं के अलावा केंद्रीय और राज्य स्तरीय नेताओं की जीत है। हम शुरू दिन से जीत को लेकर आश्वस्त थे और सबका साथ सबका विकास हमारा नारा रहा है। आगे भी हम सबको साथ लेकर विकास ओर बढ़ेंगे।

जनादेश स्वीकार, करेंगे समीक्षा

कांग्रेस प्रत्याशी डा. शिव कुमार डहरिया ने कहा कि जनता ने जो जनादेश दिया है। उसे हम स्वीकार करते हैं। कमी कहां रह गई इस पर पूरे परिणाम के विश्लेषण के बाद समीक्षा की जाएगी। लोकतंत्र में हार और जीत सामान्य प्रक्रिया है।

भूमि को पुनर्जीवित करने स्टूडेंट ने बनाई अनोखी लीफ ग्रैंडिंग मशीन

बिलासपुर। भारतमाता आंग्ल माध्यम शाला रेलवे कालोनी के स्टूडेंट ने एक बार फिर कमाल किया है। इको क्लब नेचर बाडीज से जुड़े बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण को महत्व देते हुए एक ऐसी अनोखी मशीन तैयार की है, जो वृक्षों की सूखी पत्तियों को महीन कर उसे मात्र 30 दिन में कंपोस्ट खाद में बदल देते हैं।

प्राकृतिक रूप से उर्वरा शक्ति से भरपूर यह खाद भूमि को पुनर्जीवित करने पूरी तरह से सक्षम है। हमारी भूमि, हमारा भविष्य है। इस ध्येय वाक्य के साथ भारतमाता आंग्ल माध्यम शाला इको क्लब नेचर बाडीज से जुड़े नवाचारी स्टूडेंट ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। छात्रा हिमांगी हालदार ने अपने रिसर्च टीम के साथ मिलकर एक खास लीफ ग्रैंडिंग मशीन का निर्माण किया है। इसकी सबसे अच्छी विशेषता यह कि मशीन कुछ ही मिनट में वृक्ष के सूखे पत्तों को बारिक काट देती है। इसे एकत्र कर टीम के सदस्य ग्रीन स्टोर में पानी का छिड़काव कर कंपोस्ट खाद बनाते हैं, इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 30 दिन का समय लगता है।

आमतौर पर वृक्ष के पत्तों को खाद के रूप में परिवर्तित होने में 90 दिन से अधिक का समय लगता है। ऐसा इसलिए कि इसमें समय-समय पर पानी के साथ इसे पलटते रहते हैं। यह कंपोस्ट खाद्य इतना उपजाऊ है कि भूमि को उर्वराशक्ति को बढ़ाने में भी सक्षम है। वहीं शहर में बड़ी संख्या में वृक्ष हैं जिनके पत्तों को कचरा के बजाए एकत्र कर खाद बनाई जा सकेगी।

रासायनिक उर्वरक नहीं अब प्राकृतिक

शाला के विज्ञान शिक्षक पानू हालदार के दिशा निर्देशन में तैयार यह खाद किसी भी प्रकार से मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं को नुकसान नहीं पहुंचाते। उसकी उर्वरा को बनाए रखने में भी सक्षम है। मरुस्थलीकरण को रोकने में सबसे उत्तम है। यह रसायनिक उर्वरकों को प्राकृतिक में बदल देता है। पोषक तत्वों से भरपूर इस खाद से कोई हानि नहीं होती।

नवाचारी बच्चों के इस प्रयोग को लेकर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल रायपुर ने इको क्लब के प्रयास को सराहा है।

अनमोल वचन......

जिंदगी एक शिक्षक की तरह होती है जो समय समय पर सबकी परीक्षा लेती है!

सबकी नजरें सजा पर टिकी

ऐतिहासिक फैसले में न्यूयॉर्क की अदालत ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी मामले में दोषी करार दिया। पहली बार है, जब किसी पूर्व या मौजूदा राष्ट्रपति को दोषी करार दिया गया। वह भी 34 मामलों में। ट्रंप को 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। ट्रंप ने इस फैसले को अपमानजनक कहा और अध्यक्षता करने वाले जज को भ्रष्ट बताया। वे इसके खिलाफ अपील करेंगे। ट्रंप पर आरोप है कि 2016 में उन्होंने स्कैंडल से बचने के लिए पोर्न फिल्म स्टार को मुंह बंद रखने को कानूनी खर्च के तौर पर गुप्त रूप से मोटी रकम चुकाई थी जो उनके विवाहेतर संबंधों की कहानी अखबार को बेचने की बात कर रही थी।

विशेषज्ञों के अनुसार जिन मामलों में पूर्व राष्ट्रपति दोषी ठहराए गए हैं, उनमें जेल की सजा की संभावनाएं बहुत कम हैं, बल्कि मोटा जुर्माना लगने की संभावना अधिक है। यह भी किउन्हें घर पर नजरबंद रखा जा सकता है। अमेरिकी संविधान के मुताबिक जेल होने पर भी ट्रंप की उम्मीदवारी को आंच नहीं आ सकती। उनकी पार्टी ने व्हाइट हाउस की दौड़ में शामिल ट्रंप पर अपना भरोसा भी जताया है जबकि अभी औपचारिक रूप से राष्टपति पद के लिए उम्मीदवार घोषित किया जाना बाकी है।

पार्टी के आधे से अधिक पदाधिकारियों का उन्हें पहले से समर्थन प्राप्त है। कहा जा रहा है, उनमें से कुछ के इस फैसले से प्रभावित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के दफ्तर द्वारा जब ट्रंप पर लगे आरोपों को घोर अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया था तभी उनके विरोधियों को भरोसा हो गया था कि वे चुनाव से पहले मुसीबतों में घिर सकते हैं। उन्होंने इसे कानूनी मानने की बाजाय राजनीतिक एक्सरसाइज करार दिया। पहले से ही माना जा रहा है कि सारी कवायद चुनाव को लेकर ही चल रही है। व्यवसायी होने के बावजूद ट्रंप सधे हुए राजनीतिज्ञ साबित हुए हैं। विरोधियों को टक्कर देने के मामले में पूरा दम-खम लगाने से नहीं चूकते। उन्हें युवाओं और जोशीले लोगों का समर्थन रहा है जिनके बारे में आकलन है कि वे अपने नेता के प्रति समर्पित बने रहने में कोताही नहीं करेंगे। हालांकि सबकी नजरें अब सजा पर टिकी हैं, जो अमेरिकी इतिहास ही नहीं, दुनिया भर के राजनीतिज्ञों के लिए ऐतिहासिक साबित हो सकती है।

राशिफल

मेष राशि-आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामले पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। कई दिनों से रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे। धैर्य से आज आपके सारे काम बनते नजर आएंगे। आज कई महत्वपूर्ण कामों में बदलाव होंगे। इस स्थिति में किस्मत आपका साथ देगी।

वृष राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी घर के काम में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य जल्द पूरा करने में सफलता मिलेगी। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेनें से बचें, बेहतर यही होगा की किसी अपनों की काम में मदद लें... तो काम आसानी से पूरे होंगे।

मिथुन राशि-आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आपको कोई महत्वपूर्ण समाचार मिल सकता है। आज कोर्ट कचहरी के मामलों में जीत हासिल हो सकती है। आज समाज में मान-सम्मान की बढ़ोतरी होगी। आज कारोबार में सफलता और नौकरी में तरक्की हो सकती है। आज सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी।

कर्क राशि-आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी गुम हुई कोई वस्तु आज अचानक मिल जाएगी। आज आपको इनवेस्ट में लाभ होगा। इस राशि वाले लोगों को अपने जीवनसाथी से आज गिफ्ट मिल सकता है,

सिंह राशि-आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रही रहेगी। आज अपने कामों में कामयाबी का परचम लहराएंगे। आज खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे। अगर आप नए वाहन को खरीदने की सोच रहें है तो खरीद लें।

कन्या राशि-आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नयी प्रॉपर्टी खरीदनें के लिए आज का दिन शुभ है। घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीददारी करने के लिए जीवनसाथी के साथ मार्केट जायेंगे। आज सोच-समझकर ही दूसरों की मदद करें।

तुला राशि-आज आपका दिन खुशियों भरा रहेगा। आज किसी काम को पूरा करने का प्रयास सफल रहेगा। आज परिजनों से शुभ समाचार मिलेगा और आपके आत्मसम्मान में वृद्धि होगी। आर्थिक तौर पर यह समय आपके लिए फूंक-फूंक कर कदम रखने वाला होगा। आपके ख़र्चे में बढ़ोतरी होने की संभावना है। आज किसी व्यक्ति विशेष से आपको मदद मिल सकती है।

वृश्चिक राशि-आज का दिन लकी है। आज के दिन की शुरुआत अच्छे विचारों से होगी। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज मेहनत और व्यवहार के कारण आपको धनलाभ होगा। विरोधी पक्ष आज अपासे दूरियाँ बनाकर रहेगा।

धनु राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मनोबल का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिजनेस में परिवर्तन के आसार दिख रहें हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी। आज भाग्य पूरी तरह से आपका साथ देगा।

मकर राशि-आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज व्यापार को बढ़ाने के लिए नए अवसर मिलेंगे। आज शैक्षणिक कार्यों में मन लगेगा। आज राजनीति में सफलता मिलेगी। पहले किये हुये निवेश का आज लाभ मिलेगा। इस राशि के लोगों को जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा, जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बनायेंगे।

कुंभ राशि-आज का दिन आपके जीवन में नयी खुशियाँ लेकर आएगा। आपका रूझान आध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। माता-पिता के साथ कहीं मंदिर दर्शन के लिए जाएंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की वजह से मनोरंजन के लिए बनाया हुआ प्लान आज टल सकता है। घर में आज समय ज्यादा व्यतीत करेगें।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में सफलता हासिल होने वाली है। आज करियर को लेकर लाभ मिलने वाला है। जरुरी कार्यों को पूरा करने में किसी मित्र से सहयोग मिलेगा। आज परिवार में एक दूसरे के साथ आपसी सामंजस्य बेहतर होंगे।

अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव परिणाम ने क्या संदेश दिया है ..

सिक्किम की बात करें तो यहां जब हमने लोगों से बातचीत की थी तो लोगों ने साफ कर दिया था कि हमें भाजपा या कांग्रेस से कोई नाराजगी नहीं है लेकिन हम चाहते हैं कि यहां की सरकार कोई क्षेत्रीय दल ही संभाले। पूर्वोत्तर के दो राज्यों-अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव परिणाम सामने आ गये हैं। दोनों ही राज्यों में जनता ने वर्तमान सरकार को ही दोबारा सेवा का अवसर दिया है। हालांकि यह दोनों परिणाम बहुत बड़े संदेश भी देकर गये हैं। पहला संदेश यह है कि भाजपा ने पूर्वोत्तर में अपनी जड़ें गहरें तक जमा ली हैं। दूसरा संदेश यह है कि कांग्रेस यहां खत्म हो चुकी है। तीसरा संदेश यह है कि क्षेत्रीय दल पूर्वोत्तर में व्यापक जनाधार रखते हैं।

अरुणाचल प्रदेश में प्रभासाक्षी की चुनाव यात्रा के दौरान हमने देखा था कि वहां की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अटूट विश्वास रखती है। लोगों ने हमसे बातचीत में कहा था कि जिस तरह पिछले दस सालों में अरुणाचल प्रदेश को विकास की तमाम सौगातें मिली हैं, जिस तरह यहां सड़क संपर्क को लेकर तेजी से काम हुआ है और सुदूर इलाकों तथा देश के अंतिम गांवों में भी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया गया है उसके चलते प्रदेश की जनता भाजपा के साथ खड़ी है। इसके अलावा भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में जिस तरह युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए तमाम तरह के वादे किये थे और इस राज्य में पर्यटन को नये पंख देने के लिए जो रूपरेखा जनता के बीच रखी थी उसका भी प्रभाव चुनावों में देखने को मिल रहा था। यहां भाजपा की लोकप्रियता का आलम यह था कि चुनावों की घोषणा के साथ ही पार्टी ने 10 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल कर ली थी। चुनावों के दौरान ईटानगर में भाजपा के मुख्यालय से लेकर जिलों के कार्यालयों तक में हमें जहां गहमागहमी देखने को मिली वहीं कांग्रेस के दफ्तरों में सन्नाटा पसरा हुआ था। हमने पाया था कि अरुणाचल में मुख्यमंत्री पेमा खांडू की लोकप्रियता भी काफी थी और उनके कामकाज को लोग पसंद करते हैं। यहां चुनावों के दौरान भाजपा ने कांग्रेस मुक्त अरुणाचल के नाम से जो अभियान चलाया था उसको भी काफी सफलता मिली थी क्योंकि जहां-जहां से यह यात्रा गुजरती थी वहां-वहां के कांग्रेसी नेता या कार्यकर्ता भाजपा का दामन थाम रहे थे। कांग्रेस को अरुणाचल प्रदेश में जो एक विधानसभा सीट मिली है वह दर्शा रही है कि पार्टी यहां खत्म हो चुकी है। यह स्थिति तब है जब हाल ही में अपनी भारत जोड़ो यात्रा लेकर राहुल गांधी ईटानगर पहुँचे थे और भाजपा पर तमाम प्रहार किये थे। वहीं सिक्किम की बात करें तो यहां जब हमने लोगों से बातचीत की थी तो लोगों ने साफ कर दिया था कि हमें भाजपा या कांग्रेस से कोई नाराजगी नहीं है लेकिन हम चाहते हैं कि यहां की सरकार कोई क्षेत्रीय दल ही संभाले। लोगों ने कहा था कि यदि भाजपा या कांग्रेस यहां सत्ता में आ गयीं तो वह हमारे खूबसूरत राज्य को शिमला, दार्जिलिंग जैसा भीड़भाड़ वाला इलाका बना देंगी।

लोगों ने कहा कि भाजपा या कांग्रेस के यहां सत्ता में आने पर दिल्ली के लोग आकर गंगटोक में होटल ही होटल बना देंगे और यहां आने वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने पर हमारा राज्य भी वायु प्रदूषण की समस्या झेलने लगेगा। लोगों ने कहा था कि इस शांत राज्य की क्या जरूरतें हैं इस बात को क्षेत्रीय दल भलीभांति समझते हैं इसलिए हम उनको ही वोट देंगे। लोगों ने कहा कि 25 साल तक हमने पवन कुमार चामलिंग को मौका दिया और अब युवा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग अच्छा काम कर रहे हैं तो उन्हें ही अवसर देना चाहिए। लोगों ने यह भी कहा था कि भाजपा या कांग्रेस की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री दिल्ली के निर्देश पर काम करेगा लेकिन क्षेत्रीय दल का मुख्यमंत्री बनने पर वह यहां की जनता के हिसाब से काम करेगा।बहरहाल, यह दोनों चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं कि स्थानीय जनता विकास को और अपने राज्य की तरक्की को तवज्जो देती है। साथ ही दोनों राज्य की जनता ने खिचड़ी सरकार बनाने से परहेज कर स्पष्ट और प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनाकर अपनी विद्वता का भी परिचय दिया है।

विवाद और बवंडर का विषय बना

//अवधेश कुमार//

प्रधानमंत्री नरेन्द्र प्रधानमंत्री का कन्याकुमारी के विवेकानंद शिला स्मारक में ध्यान करना जितने बड़े विवाद और बवंडर का विषय बना उसे बिल्कुल स्वाभाविक नहीं माना जा सकता। भारत सहित विश्व समुदाय को प्रेरणा देने वाले विवेकानंद के ध्यान स्थल से जुड़े इस केंद्र पर प्रधानमंत्री जाकर ध्यान करते हैं तो इसका संदेश सर्वत्र जाता है और लोगों में भी विवेकानंद के जैसा बनने, विपरीत परिस्थिति में ध्यान करने और स्वयं को नियंत्रित कर देश के लिए काम करने की प्रेरणा मिलती है।

विपक्ष ने यद्यपि बुद्धिमत्तापूर्वक कहा कि वे ध्यान साधना का विरोध नहीं कर रहे, क्योंकि उन्हें लगता था कि ऐसा करने से भाजपा को चुनावी लाभ हो जाएगा। इसलिए इसके टीवी कवरेज पर आपत्ति व्यक्त की गई। अलग- अलग पार्टियां चुनाव आयोग के पास गई भी। प्रधानमंत्री या कोई नेता चुनाव प्रचार के बाद या बीच में किसी धर्मस्थल या प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल पर जाएं, वहां पूजा, प्रार्थना, ध्यान या अन्य साधना करें उस पर चुनाव आयोग या कोई भी संवैधानिक संस्था कैसे रोक लगा सकती है। विपक्ष के नेताओं ने भी पूरे चुनाव में परिश्रम किया है और उन्हें भी ध्यान साधना और शारीरिक, मानसिक संतुलन व शांति के लिए पहले से ऐसी कुछ योजना बनानी चाहिए थी। भारत में अनेक ऐसे धार्मिक साधना स्थल हैं जहां जाकर आप शारीरिक-मानसिक थकान से आध्यात्मिक कृतियों के द्वारा मुक्ति पा सकते हैं। ऐसी जगह भी है जहां जाकर एक दो दिनों के विश्राम से आपको विशेष शांति और शक्ति मिलती है। अगर विपक्ष के नेताओं में ऐसी दृष्टि नहीं है तो इसका मतलब यह नहीं कि प्रधानमंत्री या कोई भी सत्तारूढ़ पार्टी का नेता उस दिशा में न सोचें न करें। राहुल गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, प्रियंका वाड्रा, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, शरद पवार सभी चाहें तो कहीं न कहीं ऐसी साधना कर सकते थे और उन्हें भी टेलीविजन या मीडिया का कवरेज मिलता। नेताओं में वाकई ध्यान और साधना की प्रतिस्पर्धा हो तो यह देश और संपूर्ण मानवता के लिए कल्याणकारी होगा।

जब आध्यात्मिक दृष्टि से आपके शरीर और मन के बीच संतुलन स्थापित होता है तो उसके साथ सकारात्मक दृष्टि भी विकसित होती है जहां से केवल सबके कल्याण के भाव से ही विचार पैदा हो सकते हैं। जब 2014 का चुनाव प्रचार समाप्त हुआ तब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने शिवाजी के रायगढ़ किले में जाकर ध्यान किया था। शिवाजी हमारे देश में भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व की दृष्टि से प्रेरक और आदर्श व्यक्तित्व हैं। शिवाजी जैसे महापुरु ष के प्रति अगर विपक्ष के अंदर ऐसा भाव पैदा नहीं होता तो इसके लिए वही दोषी हैं।

2019 के चुनाव प्रचार की समाप्ति के बाद प्रधानमंत्री उत्तराखंड के केदारनाथ गए थे और वहां उन्होंने गुफा में ध्यान और साधना की। यह मान लेना कि इस प्रकार की ध्यान साधना या पूजा पाठ के मीडिया कवरेज के प्रभाव में आकर पहले से किसी और को मत देने का मन बनाए मतदाता अचानक पलट कर भाजपा को वोट देने लगेंगे उचित नहीं लगता। मतदाताओं के पास भी सही गलत का निर्णय करने का विवेक है। विपक्ष इसे प्रधानमंत्री मोदी के मतदाताओं को आकर्षित करने की रणनीति मानता था तो उसे भी इसकी काट में रणनीति अपनानी चाहिए। विरोधियों ने प्रधानमंत्री की ध्यान साधना को राजनीतिक मुद्दा बना दिया। किसी भी देश का शीर्ष ध्यान साधना या अपने आध्यात्मिक कर्मकांड या फिर छुट्टियां मनाने जाएगा तो उसे मीडिया का कवरेज मिलेगा। यह भी सच है कि प्रधानमंत्री को जितना कवरेज मिलेगा उतना किसी अन्य नेता को नहीं मिल सकता, लेकिन दूसरे नेता अपना कार्यक्रम इतने ही प्रेरणादायी व सकारात्मक बनाएं तो मीडिया उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता। वैसे भी विरोधियों ने प्रधानमंत्री मोदी को खलनायक साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

उत्तर प्रदेश में जब से योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने हैं उनके प्रति भी विरोधियों का रवैया यही है। स्वयं प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले केवल मोदी बोलते थे अब उसमें योगी को जोड़ दिया। योगी समर्थक यह बोलते हैं कि विरोधियों को उनके भगवा वस्त्र से, अपराधियों के विरु द्ध कार्रवाई से या हिंदुत्व के प्रति प्रखरता से समस्या है तो इसका जवाब उनके पास नहीं होता। विवेकानंद शिला स्मारक पर जाने वाले या उसकी प्रशंसा करने वाले ज्यादातर नेताओं को शायद यह पता नहीं होगा कि उसके निर्माण के पीछे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मुख्य भूमिका थी। 1963 में स्वामी विवेकानंद के जन्म शताब्दी के समय लोगों ने उस चट्टान के पास एक स्मारक बनाने का निश्चय किया लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। संघ ने अपने उस समय के वरिष्ठ प्रचारक एकनाथ रानडे को इस काम में लगाया। उस समय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री भक्तवत्सलम ने स्मारक में मदद से मना कर दिया। तत्कालीन केंद्रीय संस्कृति मंत्री हुमायूं कबीर ने भी सहयोग से इनकार किया।संघ ने निर्णय कर लिया था और उनके लोग लग गए थे तो वे लगे रहे। सांसदों से भेंट की गई। 300 से ज्यादा सांसदों से हस्ताक्षरित समर्थन लिया गया। फिर तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने उसके निर्माण की अनुमति दी। 1972 में विवेकानंद केंद्र बना जो वहां अनेक प्रकार के कार्यक्रम करता है। भारत सहित विश्व के हजारों लोगों ने उस स्थान से अपना जीवन बदला या समाज को बदलने का की प्रेरणा लेकर काम किया है। बहुत सारे लोग तो आज अभी कहेंगे कि संघ विवेकानंद की क्यों बात करती है, विवेकानंद के हिंदुत्व से संघ का क्या लेना देना। कहने की आवश्यकता नहीं कि इस तरह की आलोचना केवल लंबे समय से पाले गए और स्वाभाविक दुराग्रह की परिणति होती है।

वहीं से ऐसे विरोध पैदा होते हैं जिनका आम जनता पर असर न के बराबर होता है। राजनीति और विशेष कर चुनावी रणनीति अपनी जगह है। प्रधानमंत्री द्वारा विवेकानंद शिला स्मारक में किया जा रहा ध्यान और साधना इस देश की शांति समृद्धि का कारण बने ऐसी हम सबको कामना करनी चाहिए। अच्छा हो कि देश के ज्यादातर शीर्ष नेता इसी तरह कोई स्थान चुनकर आत्मोन्नित और भारत राष्ट्र तथा मानवता के कल्याण का लक्ष्य लेकर सिद्ध स्थलों पर ध्यान साधना आदि करें। कल्पना करिए अगर नेताओं के बीच ऐसी सकारात्मक प्रतिस्पर्धा हो जाए तो फिर कितना सुखद वातावरण बनेगा तथा उसका सकारात्मक असर हम सब पर होगा।

फिलस्तीनी क्षेत्रों में अकाल जैसे हालात

हमास की निर्ममता का जवाब इस्त्राइल ने बेहद प्रतिशोधात्मक तरीके से दिया है। इस्त्राइल की जवाबी कार्रवाई में अब तक गजा और वेस्ट बैंक में 35 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सात अक्टूबर को हमास हमले के बाद इस्त्राइल ने गजा पट्टी की पूरी तरह से घेराबंदी का आदेश दिया अर्थात समूची आबादी का बिजली, पानी और ईंधन बंद कर दिया गया। इस्त्राइल फिलस्तीनी क्षेत्रों पर लगातार हवाई और जमीनी हमले कर रहा है। फिलस्तीनी घायलों को भी नहीं बख्श रहा। गजा में फिलस्तीनी कैदियों को अस्पताल में बिस्तरों पर बेड़ियों से बांध कर रखा जाता है और आंखों पर पट्टी बांध दी जाती है। कभी-कभी उनके सारे कपड़े उतार दिए जाते हैं। इस्त्राइली सेना ने गजा में पूर्वी रफाह के अलग-अलग इलाकों में हमले कर लाखों लोगों को बेघरबार कर दिया है। इस्त्राइली हवाई हमलों और नाकाबंदी के कारण अधिकांश अस्पतालों ने काम करना बंद कर दिया है। बिजली और ईंधन की कमी के कारण लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। बन गए हैं। हमास को अपने अपराधों पर कोई अफसोस नहीं है और वह बंधकों को छोड़कर युद्ध खत्म करने की कोशिशें भी नहीं कर रहा। वहीं इस्त्राइल ने आईसीसी अभियोजक के इस दावे को जोरदार तरीके से खारिज कर दिया है कि गाजा में आईडीएफ का अभियान जानबूझकर फिलिस्तीनी नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से है। युद्ध अपराध और मानवाधिकार की समस्या को लेकर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय की निष्पक्षता को नकारने से वैंकि ताकतों ने भी परहेज नहीं किया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस निर्णय को भयावह बताते हुए कहा कि इस्त्राइल और हमास के बीच कोई समानता नहीं है। चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री पेट्र फियाला ने लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार और आतंकवादी संगठन की झूठी तुलना को भयावह और पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया। इस्त्राइली राष्ट्रपति इसहाक हरजोग ने इस्त्राइल को लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार और हमास को नृशंस आतंकवादी बताते हुए आईसीसी की तुलना को अपमानजनक कहा। वहीं हमास नेताओं ने करीम खान की मांग के बारे में कहा कि वो कातिल और पीड़ित को एक बराबर रख रहे हैं। दुनिया भर में युद्ध और हिंसा के हालात हैं, ऐसे में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के निर्णय को नजीर की तरह लिया जाना चाहिए था जिससे संयुक्त राष्ट्र में करोड़ों लोगों का विास बढ़ सकता था।वहीं संकट यह है कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के निर्णयों का पालन कैसे होगा। आईसीसी के समझौते पर जिन 124 देशों ने हस्ताक्षर किए थे उनमें इस्त्राइल शामिल नहीं है। यानी आईसीसी का सदस्य नहीं है। फिलस्तीन समझौते पर हस्ताक्षर करने वालों में शामिल है, ऐसे में आईसीसी के पास कानूनी अधिकार है कि वो कार्रवाई कर सके। अब सवाल है कि अगर वारंट जारी किया जाता है तो फिलस्तीनी प्रशासन को हमास के नेता याह्या सिनवार, हमास की अल कासिम ब्रिगेड के नेता मोहम्मद दियाब इब्राहिम अल मसरी और हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हनियेह को गिरफ्तार करना होगा।

तस्वीरों की दुनिया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पार्टी नेताओं सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के साथ नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में लोकसभा चुनावों की मतगणना के बीच जीत का संकेत देते हुए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा चुनाव की मतगणना के बीच नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान बीरभूम में टीएमसी उम्मीदवार शताब्दी रॉय ने जीत का संकेत दिखाया।

लोजपा प्रमुख चिराग पासवान पटना में लोकसभा चुनाव में पार्टी की बढ़त के जश्न के दौरान जीत का संकेत दिखाते हुए।

रांची में लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान गांडेय निर्वाचन क्षेत्र से आगे चल रही झामुमो नेता कल्पना सोरेन ने जीत का संकेत दिया।

धारवाड़ में लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्र से आगे चल रहे भाजपा उमीदवार प्रह्लाद जोशी पार्टी विधायकों के साथ विजय चिन्ह दिखाते हुए।

हावड़ा में लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान पार्टी की बढ़त पर जश्न मनाते टीएमसी समर्थक और कार्यकर्ता।

लगातार तीसरी बार मोदी सरकार... पीएम बोले- यह रुकने-थमने का समय नहीं, भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी रहेगी जंग

नईदिल्ली, 05 जून [एजेंसी]।

लगातार तीसरी बार राजग के स्पष्ट बहुमत से साथ जीत हासिल करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ कर दिया है कि पिछले 10 सालों से जारी जनकल्याणकारी, महिला सशक्तिकरण और विकास की योजनाओं को जारी रखा जाएगा। विकसित भारत के निर्माण का संकल्प दोहराते हुए उन्होंने कहा कि यह रूकने का, थमने का समय नहीं है। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचारियों को मिल रहे राजनीतिक समर्थन पर चिंता जताते हुए साफ किया कि तमाम चुनौतियों के बाद भी भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

पिछली बार की तुलना में कम सीटें मिलने पर विपक्ष के हमलों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा ने अकेले जितनी सीटें जीती हैं, उनकी सीटें एकजुट विपक्ष भी नहीं जीत नहीं पाया। कांग्रेस को आइना दिखाते हुए प्रधानमंत्री अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, ओडिशा और आंध्रप्रदेश के विधानसभा चुनावों में भाजपा और सहयोगी दलों की जीत का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा पूरी तरह से साफ हो गया है और हालात यह है कि उनके उम्मीदवारों के लिए जमानत बचाना भी मुश्किल हो गया। उन्होंने केरल में पहली बार एक सीट पर जीत को कई पीढ़ियों से कार्यकर्ताओं के संघर्ष और बलिदान का परिणाम बताया।

चुनाव प्रक्रिया पर विपक्ष के लगातार हमलों के बीच निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग का आभार जताते हुए प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया में भारत की साख में चार चांद लगाने वाला बताया। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि यह जनादेश पिछले 10 सालों से उनके नेतृत्व में राजग सरकार की नीतियों के प्रति जनता का समर्थन है। भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे और एजेंसियों की कार्रवाई का सामना कर रहे नेताओं की एकजुटता और उन्हें मिल रहे राजनीतिक समर्थन के प्रति चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे नेताओं के महिमामंडन और निर्लज्ज समर्थन से भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई कठिन हो गई है। लेकिन इसके बावजूद भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया, डीबीटी जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से भ्रष्टाचार पर काफी हद तक रोकने में सफलता मिली है। प्रधानमंत्री ने राजग की तीसरी बार की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि 1962 के बाद पहली बार लगातार दो बार सत्ता में आने के बाद तीसरी बार जीत मिली है।प्रधानमंत्री ने बिहार और आंध्रप्रदेश में राजग के शानदार प्रदर्शन का श्रेय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को दिया।

अपनी मां के निधन के बाद पहली बार चुनावी जीत को अपने लिए भावुक पल बताते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान माताओं और बहनों से मिले प्यार ने मां की कमी महसूस नहीं करने दी।उन्होंने भरोसा दिया कि उनकी सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए काम करती रहेगी। अपेक्षाकृत कम बहुमत के कारण तीसरे कार्यकाल में बड़े फैसलों के प्रति लोगों की आशंकाओं को दूर करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कर दिया कि उनके तीसरे कार्यकाल में भी बड़े फैसलों का दौर जारी रहेगा। इसका नया इतिहास बनेगा और यह मोदी गारंटी है। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के निर्माण के लिए अथक परिश्रम का भरोसा दिया। दुनिया की मौजूदा समस्याओं के समाधान में भारत की अहम भूमिका रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह रूकने और थमने का समय नहीं है और वे सभी राज्यों को साथ लेकर इसके लिए काम करेंगे।

दक्षिण में कांग्रेस ने खुद को किया मजबूत, केरल कर्नाटक और तेलंगाना में पार्टी का कैसा रहा प्रदर्शन

नईदिल्ली, 05 जून [एजेंसी]।

दक्षिण भारत के चार राज्यों में कांग्रेस की मजबूत उपस्थिति पहले से है। दो राज्यों में अपनी है और एक राज्य में सहयोगी दल के साथ गठबंधन की सरकार है। ऐसे में भाजपा की तुलना में कांग्रेस के लिए दक्षिण के राज्यों में पहले से ही ज्यादा संभावना थी। परिणाम भी उम्मीदों के अनुरूप ही आया। कांग्रेस ने दक्षिण के पांच राज्यों एवं तीन केंद्र शासित प्रदेशों में 13 सीटें बढ़ाई हैं। 2019 के चुनाव में कांग्रेस को इन राज्यों में सिर्फ 29 सीटों पर ही जीत मिली थी, जो भाजपा के बराबर थी। इस बार कांग्रेस ने 42 सीटों का जुगाड़ दक्षिण के राज्यों से ही किया है। हालांकि कर्नाटक में सरकार होने के बावजूद सीटों के मामले में वह भाजपा से पिछड़ गई है, लेकिन तेलंगाना में सरकार होने का उसे फायदा मिला है। पिछली बार राज्य में कांग्रेस को सिर्फ तीन सीटें मिली थीं, जो इस बार बढ़कर आठ हो गईं। दस वर्षों से लगातार तेलंगाना की सत्ता में मजबूती से अड़ी-खड़ी भारत राष्ट्र समिति को निर्वासित कर कांग्रेस ने अपने लिए मजबूत जगह बनाई है। समझा जा रहा कि कांग्रेस को इसका दूरगामी फायदा मिल सकता है। संसदीय चुनाव के लिहाज से दक्षिण में कांग्रेस का सबसे मजबूत गढ़ केरल को माना जाता है। पिछले चुनाव में राहुल गांधी ने केरल के वायनाड से लड़कर कांग्रेस की जड़ें जमाई थी।

कांग्रेस को इस प्रदेश की 20 सीटों में से 15 सीटें मिली थीं। इस बार भी 14 सीटों के साथ कांग्रेस ने अपनी पकड़ बनाए रखी है। कांग्रेस को बड़ी कामयाबी कर्नाटक में मिली है। 2019 के चुनाव में उसे कर्नाटक में सिर्फ एक सीट पर जीत मिली थी। इस बार यह संख्या बढ़कर नौ हो गई है। कांग्रेस ने इनमें से ज्यादातर सीटें भाजपा से ही छीनी है।दक्षिण के राज्यों में कांग्रेस के लिए सबसे कमजोर कड़ी आंध्र प्रदेश है, जहां वह लगभग डेढ़ दशक से वापसी के प्रयास में है। आंध्र प्रदेश में राजशेखर रेड्डी कांग्रेस के बड़े नेता माने जाते थे, लेकिन उनके निधन और 2009 में पार्टी में विभाजन के बाद से कांग्रेस इस प्रदेश में कमजोर होती चली गई।स्थिति यहां तक आ गई कि उसे एक प्रतिशत वोट के लिए भी कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस बार राजशेखर रेड्डी की पुत्री एवं वाइएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी की बहन शर्मिला रेड्डी को प्रदेश की कमान देकर कांग्रेस ने प्रदेश में वापसी का पूरा प्रयास किया, लेकिन कोई खास फर्क नहीं पड़ा।

यूपी में तीन दशक के बाद कांग्रेस को इस तरह मिली जीत की संजीवनी, गांधी परिवार ने बनाया था यह मास्टर प्लान

लखनऊ, 05 जून [एजेंसी]।

उत्तर प्रदेश में लगभग साढ़े तीन दशक से खोये जनाधार की तलाश में जुटी कांग्रेस को आखिरकार संजीवनी मिल गई। साइकिल की सवारी कर कांग्रेस ने न सिर्फ अपना पंजा मजबूत किया है, बल्कि सबसे अधिक 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में आधा दर्जन सीटें जीतकर अपने राजनीतिक वजूद को बरकरार रखा है। पिछले चुनाव में अपनी परंपरागत सीट अमेठी में राहुल गांधी को मिली हार के बाद कांग्रेस के सामने शून्य का खतरा मंडरा रहा था। लेकिन राहुल गांधी व प्रियंका वाड्रा के दमदार प्रचार और इस बार बूथ स्तर तक एजेंट बनाने की रणनीति कारगर साबित हुई।कांग्रेस ने सपा के वोटबैंक के बलबूते अपनी परंपरागत सीट अमेठी व रायबरेली के अलावा सहारनपुर, सीतापुर, बाराबंकी व इलाहाबाद में जीत दर्ज की। कांग्रेस को लगभग 9.46 प्रतिशत वोट मिले। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के उत्तर प्रदेश को लेकर किए गए निर्णय एक के बाद एक उसके पक्ष में रहे। इनमें पहला निर्णय लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा को उत्तर प्रदेश के प्रभारी के पद से मुक्त किए जाने का था। पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सवर्ण अजय राय को चुनने के बाद अविनाश पांडेय को नया प्रदेश प्रभारी बनाया और एक खास वर्ग को बड़ा संदेश देने का प्रयास किया।

प्रभारी पद से मुक्त हुई प्रियंका ने अन्य राज्यों के साथ ही उत्तर प्रदेश में प्रचार की बागडोर संभाली। कांग्रेस की नजर भी शुरुआत से मुस्लिम वोट बैंक के साथ दलित-पिछड़ों पर थी। इनके साथ ही भाजपा से नाराज सवर्ण वर्ग को भी अपने पाले में खींचने के लिए कांग्रेस ने पूरा जोर लगाया।पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चार चरण का मतदान संपन्न होने के बाद उप्र में बड़ा दांव खेला। खरगे ने कांग्रेस की सरकार बनने पर गरीबों को हर माह पांच किलो के बजाए 10 किलो राशन मुफ्त दिए जाने की घोषणा की।

दिल्ली में कांग्रेस को ये चीज ले डूबी, आप से गठबंधन के बावजूद नहीं चखा जीत का स्वाद

नईदिल्ली, 05 जून [एजेंसी]।

दिल्ली में कांग्रेस को एक बार लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है तो इसके लिए एक नहीं बल्कि कई कारण उत्तरदायी हैं। सबसे बड़ा कारण तो शीर्ष पार्टी नेतृत्व की मनमानी है। प्रदेश इकाई की सोच और तर्कों को दरकिनार कर बार- बार उस पर अपने निर्णय थोपना पार्टी को खुद ही भारी पड़ गया। प्रदेश इकाई के नेता बिल्कुल भी इस पक्ष में नहीं थे कि आम आदमी पार्टी से गठबंधन किया जाए। वजह, इसी पार्टी ने कांग्रेस को दिल्ली की सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया था। अब जबकि दिल्ली निवासी कांग्रेस के शासनकाल और शीला दीक्षित सरकार की उपलब्धियों को याद करने लगे थे, शीर्ष नेतृत्व के दबाव में पार्टी को उसी आप के साथ गठबंधन करना पड़ गया। सात में से चार लोकसभा सीटें यानी 40 विधानसभा आप के खाते में डाल देने से प्रदेश के नेताओं को ही नहीं, कार्यकर्ताओं को भी भारी धक्का लगा। इसके बाद तीन सीटों के उम्मीदवारों के चयन में भी शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश इकाई की सिफारिशों को दरकिनार कर दिया।

उत्तर पूर्वी और उत्तर पश्चिमी सीट पर कन्हैया कुमार एवं उदित राज सरीखे बाहरी उम्मीदवार उतार दिए गए। इससे 20 विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ता और नाराज हो गए। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी को जब तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने उठाना चाहा तो उनकी भी नहीं सुनी गई। लवली और पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान के अलावा कई अन्य नेताओं ने इसके विरोध में पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया तो भी आलाकमान ने परवाह नहीं की।इस सबके चलते इस बार कांग्रेस के स्थानीय नेताओं-कार्यकर्ताओं ने दिल से चुनाव में काम किया ही नहीं तो तीनों ही सीटों पर भितरघात भी खूब देखने को मिली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने तीनों ही सीटों पर वरिष्ठ नेता सचिन पायलट, चौ वीरेंद्र सिंह और सीपी जोशी को पर्यवेक्षक बनाया। लेकिन पायलट के अलावा कोई एक से दूसरी बार नहीं आया। पार्टी ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की, लेकिन 10 प्रतिशत प्रचारकों ने भी गंभीरता से अपना काम नहीं किया। प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया के अनावश्यक हस्तक्षेप की शिकायतें सामने आती रहीं। यहां तक कि दिल्ली के स्तर पर पार्टी अपना घोषणापत्र भी जारी नहीं कर सकी।हमारी तरफ से कुछ चूक तो हुई ही हैं। अब चाहे आप से गठबंधन का विरोध कह लें या कुछ प्रत्याशियों की अस्वीकार्यता। इनके अलावा भी अन्य सभी कारकों पर विचार कर उन्हें दूर किया जाएगा। पूरा प्रयास रहेगा कि छह महीने बाद विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करे। -देवेंद्र यादव, अध्यक्ष, दिल्ली कांग्रेसहम शुरू से ही कांग्रेस नेतृत्व को समझाना चाह रहे थे, लेकिन हमारी नहीं सुनी गई। जनता ने न तो आप-कांग्रेस के गठबंधन को स्वीकार किया, न ही उन दो प्रत्याशियों को अपना समर्थन दिया, जिनका हम विरोध कर रहे थे। यहां तक कि वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने को भी आलाकमान ने गंभीरता से नहीं लिया। इसका भी फर्क तो पड़ा ही है।

मायावती की एक 'जिद' से दशक बाद फिर 'हाथी' चारों खाने चित, बसपा को जनाधार में भी हुआ नुकसान

लखनऊ, 05 जून [एजेंसी]।

लोकसभा चुनाव के मैदान में अकेले ही ताल ठोकना एक बार फिर बसपा को भारी पड़ा। गरीब वंचित-शोषित समाज के मतदाताओं पर मोदी-योगी के प्रभाव और सपा-कांग्रेस गठबंधन ने बसपा प्रमुख मायावती को बड़ा झटका दिया है। 10 सांसदों वाली बसपा से वंचितों के दूर जाने के साथ ही मुस्लिम समाज के भी मायावती संग खड़ा न होने से पार्टी न केवल शून्य पर सिमट कर रह गई है, बल्कि उसका जनाधार भी 10 प्रतिशत से कहीं अधिक खिसक गया है। पांच वर्ष पहले सपा-रालोद से गठबंधन करने वाली मायावती इस बार तमाम अटकलों को अंततः खारिज करते हुए न एनडीए और न ही विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के साथ रहीं। इससे उन्हें भारी नुकसान हुआ। 80 में से 79 सीटों (बरेली सीट पर पर्चा खारिज) पर चुनाव लड़ी बसपा एक भी सीट जीतना तो दूर, दूसरे नंबर पर भी नहीं रही। मोदी सरकार की मुफ्त राशन-मकान, सम्मान निधि सहित दूसरी गरीब कल्याण की योजनाओं से प्रभावित वंचित समाज का कोर वोट बैंक पहले ही बसपा से दूर जाते दिख रहा था, इस बार मुस्लिम समाज भी उसके साथ बिल्कुल खड़ा नहीं दिखाई दिया।

इस बार गैर जाटव के साथ ही गैर यादव पिछड़ी जातियों ने भी 'हाथी' का पूरी तरह से साथ छोड़ दूसरे दलों का ही बटन दबाया। यही कारण रहा कि बसपा किसी भी लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय लड़ाई में भी नहीं दिखाई दी।बसपा को जबरदस्त नुकसान के पीछे डेढ़ दशक से सत्ता से बाहर रहने और मायावती के फील्ड में सक्रिय न दिखाई देने को भी बड़ा कारण माना जा रहा है। पार्टी के नेता इस बार गठबंधन में शामिल होने के पक्ष में थे, लेकिन मायावती उन्हें यही समझाती रहीं कि कांग्रेस या सपा से गठबंधन करने पर पार्टी को फायदे की बजाय नुकसान ही होता है।

आईएनडीआईए को मिली बड़ी संख्या, 18वीं लोकसभा में आधिकारिक रूप से होगा नेता प्रतिपक्ष

नईदिल्ली, 05 जून [एजेंसी]।

लोकसभा चुनाव-2024 के नतीजों ने साफ कर दिया है कि जनता को केवल बहुमत की सरकार ही नहीं, देश में एक मजबूत विपक्ष भी चाहिए। कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन आईएनडीआईए को लोकसभा में मिली बड़ी संख्या इस बात का प्रमाण है। चुनाव नतीजों में कांग्रेस ने जैसी वापसी की है, उसमें सत्ता से वह भले दूर रह गई हो मगर यह तय हो गया है कि 18वीं लोकसभा में आधिकारिक रूप से नेता विपक्ष होगा। भाजपा-राजग गठबंधन की सरकार तीसरी बार कमान संभालती है तो उसे पिछले ढाई दशक में संसद में सबसे ताकतवर विपक्ष से रूबरू होना पड़ेगा।चुनाव नतीजों के अब तक के आंकड़ों से साफ है कि कांग्रेस जहां तीन अंकों के करीब पहुंचकर पहले से कहीं ज्यादा राजनीतिक ताकत से सत्ता को चुनौती देगी तो विपक्षी आईएनडीआईए का 235 के आसपास का लोकसभा में सीटों का आंकड़ा भाजपा-राजग को एकतरफा फैसले लेने की गुंजाइश नहीं देगा।विपक्ष के मजबूत होने का सबसे बड़ा फर्क यह होगा कि संसद में आम सहमति के राजनीतिक दौर की वापसी का रास्ता बनेगा क्योंकि भाजपा-राजग सरकार को तीसरी पारी में संसद में अपने नीतिगत फैसलों से लेकर हर अहम विधायी कार्य के लिए विपक्ष के सहयोग की जरूरत होगी। इस जनादेश की खूबसूरती यही है कि जनता ने सरकार और विपक्ष से देश के व्यापक हित से जुड़े सवालों पर एक दूसरे से संवाद करने और जहां जरूरत हो, सहयोग भी करने की अपेक्षा की है।लोकतंत्र पर खतरे और बहुमतवाद का राजनीतिक विमर्श पिछले कुछ वर्षों से चल रहा था जिसकी वजह लोकसभा में विपक्ष का कम संख्या बल होना रहा है। कांग्रेस को 2014 के चुनाव में 44 और 2019 में केवल 52 लोकसभा सीटें मिली थीं जिसका नतीजा रहा कि बीते 10 वर्षों से लोकसभा में कोई आधिकारिक विपक्ष का नेता नहीं था। 18वीं लोकसभा में कांग्रेस ने अपने प्रदर्शन से इस पर जहां ब्रेक लगा दिया है, वहीं कई राज्यों में भाजपा को मजबूत चुनौती दी है। कांग्रेस ने कर्नाटक, हरियाणा, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, गोवा में भाजपा के लिए मजबूत चुनौती पेश की है तो उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर भाजपा को रोक लिया है। महाराष्ट्र और हरियाणा में अगले चार महीने में चुनाव होने हैं और इस नतीजे का बड़ा असर इन राज्यों पर पड़ सकता है।अटल बिहारी वाजपेयी की 1998 में बनी भाजपा-राजग की सरकार के समय विपक्ष सबसे मजबूत था और यही वजह रही कि 1999 में जब अविश्वास प्रस्ताव लाया गया तब वाजपेयी सरकार एक वोट से हार गई। 2004 में कांग्रेस नेतृत्व वाली संप्रग की सरकार बनी तो भाजपा 137 सीटों के साथ दमदार विपक्ष के रूप में थी मगर तब भी विपक्षी दलों की संयुक्त ताकत इतनी नहीं थी जितनी 2024 में चुनी गई लोकसभा में है।

2009 में भी कमोबेश स्थिति ऐसी ही थी मगर 2014 तथा 2019 में कांग्रेस के कमजोर संख्या बल के कारण पार्टी को विपक्ष का आधिकारिक दर्जा नहीं मिल पाया। लोकसभा में विपक्ष के कमजोर होने से राजनीति के बदले तेवरों का ही नतीजा है कि 18वीं लोकसभा में जनता ने पिछले 10 वर्ष की एकतरफा राजनीति पर ब्रेक लगा दिया है।कांग्रेस के साथ ही आईएनडीआईए में उसके सहयोगी क्षेत्रीय दल उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की सपा, तमिलनाडु में द्रमुक, महाराष्ट्र में शिवसेना-यूबीटी और शरद पवार की राकांपा से लेकर बंगाल में ममता बनर्जी विपक्ष की मजबूत व अहम कड़ी बनकर उभरे हैं। बिहार में राजद का प्रदर्शन जरूर आशानुरूप नहीं रहा, मगर गठबंधन की साझी ताकत तेजस्वी यादव को आगे की लड़ाई के लिए उम्मीद देगी।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यादव लैंड में खूब बहाया था पसीना, यूपी में यादवों को नहीं साध सके मोहन यादव

लखनऊ 05 जून। मध्य प्रदेश में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव की चौतरफा तारीफ हो रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश में वह कुछ कमाल नहीं दिखा सके। मोहन यादव को विशेष तौर पर यूपी में स्टार प्रचारक के तौर पर उतारा गया था। उन्होंने प्रदेश में करीब दो दर्जन जनसभाएं कीं, रणनीति के तहत उनके ज्यादातर कार्यक्रम व सभाएं यादव लैंड में हुए लेकिन परिणाम के मोर्चे पर वह कुछ कमाल नहीं दिखा सके। मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वाराणसी सीट के साथ ही लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अमेठी में केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी और यादव लैंड से जुड़ी तमाम सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के लिए पसीना बहाया। इनमें इटावा, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, कन्नौज, बदायूं, आजमगढ़, फैजाबाद, संतकबीर नगर, बलिया, कुशीनगर, संभल, बदायूं, गाजीपुर व महाराजगंज प्रमुख रहे।परिणाम बता रहे हैं कि मोहन यादव प्रदेश में यादवों को साधने में पूरी तरह से नाकामयाब रहे। यादव लैंड से जुड़ी तमाम सीटों पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव का ही प्रभाव देखा गया। उल्लेखनीय है कि मोहन यादव की ससुराल सुलतानपुर में है। अमेठी में स्मृति इरानी के नामांकन में शामिल हुए यादव ने वहां के लोगों को इस रिश्ते की दुहाई भी दी थी।

ढह गया नवीन किला, ओडिशा में पहली बार भाजपा सरकार

जमशेदपुर, 05 जून [एजेंसी]।

उत्तर प्रदेश में आशा अनुरूप सफलता न पा सकी भाजपा के लिए सबसे बड़ी खुशी महाप्रभु जगन्नाथ की भूमि ओडिशा से मिली है। लोकसभा व विधानसभा चुनाव के नतीजों ने भाजपा को यहां दोहरी खुशी दी है। देर रात तक चल रहे चुनावी रुझानों में लोकसभा की 21 सीटों में से 19 सीटों पर भाजपा ने अप्रत्याशित ढंग से अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है।वहीं पहली बार ओडिशा में अपने बलबूते विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा पार करने में भी वो सफल रही। ओडिशा की 147 विधानसभा में 78 सीटों पर भाजपा ने बढ़त लेते हुए प्रदेश में सरकार बनाने के प्रधानमंत्री की घोषणा को सही साबित कर दिया है। ओडिशा में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 74 है। जबकि पिछले ढाई दशक से नवीन पटनायक के नेतृत्व में सत्ता पर काबिज बीजू जनता दल (बीजद) इस बार 51 के अंदर सीटों पर पर सिमट गई।नवीन पटनायक का 24 साल से प्रदेश में मजबूत किला पीएम मोदी व भाजपा के चुनावी बिसात में ढह गया। पीएम ने पिछले दिनों चुनावी सभा के दौरान घोषणा की थी कि 04 जून को भाजपा को बहुमत मिलेगा और 10 जून को भाजपा के तरफ से किसी ओड़िया को यहां का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। यह बात नतीजों ने सही साबित कर दिया। 2019 के विधानसभा चुनाव में बीजद अकेले 113 सीटें जीती थी। प्रदेश में हाशिये पर चल रही कांग्रेस पिछले चुनाव से कुछ सीटें ही बढ़ा पाई वो तीसरे नंबर पर रही

सिर्फ 14 के करीब सीटों पर बढ़त ले सकी। वहीं अन्य के खाते में 03 सीटें गई। इसमें एक सीट वाम मोर्चा को मिला है। इस चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन की बात सीटों पर सहमति नहीं होने के कारण सिरे नहीं चढ़ सकी। लेकिन गठबंधन की चर्चा का सबसे बड़ा खामियाजा बीजद को ही उठाना पड़ा भाजपा के विपक्ष में पड़ने वाले वोट उससे कट गए यह वोट सबसे ज्यादा अल्पसंख्यकों का रहा। जो बीजद में न जाकर कांग्रेस व अन्य पार्टियों में चला गया।वहीं पीएम मोदी के ओडिया अस्मिता की बात उठाने का भी असर दिख रहा है। बीजद में नवीन पटनायक के बाद सबसे मजबूत माने जा रहे वीके पांडियन का सत्ता पर काबिज होने की बात को भाजपा ने काफी प्रमुखता से उठाया। साथ ही नवीन पटनायक के अस्वस्थता व निष्क्रिय होने की बात भी खूब जोर शोर से प्रसारित किया गया। पीएम ने अपनी सभा के दौरान यहां तक कहा था कि नवीन पटनायक अपने राज्य के जिला मुख्यालयों के नाम तक बिना कागज देखे नहीं बता सकते हैं, क्या ऐसा मुख्यमंत्री आपका दुख दर्द बांट सकता है। उनकी जगह कोई और शासन चला रहा है जो ओडिया नहीं है।यह बात इतनी तेजी से फैली की बीच चुनाव में दो बार नवीन पटनायक को खुद मीडिया के सामने आकर सफाई देनी पड़ी और बताना पड़ा की वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और किसी के रिमोट कंट्रोल से नहीं चल रहे हैं। गौरतलब है कि पहली बार भाजपा इतनी आक्रमकता के साथ ओडिशा में चुनाव लड़ी। इससे पूर्व नवीन पटनायक के साथ भाजपा का शुरू से ही संबंध सौहार्दपूर्ण और सहज रहा। दोनों पार्टियां समय-समय पर एक दूसरे के साथ खड़ी दिखी। नवीन पटनायक के मुख्यमंत्री बनने के बाद 2009 तक भाजपा व बीजद के बीच गठबंधन की सरकार ओडिशा में चली, लेकिन उसके बाद राहें जुदा हो गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक जीत का किसे दिया श्रेय, विपक्ष पर कटाक्ष कर कह दी यह बड़ी बात

नईदिल्ली, 05 जून [एजेंसी]।

लगातार तीसरी बार राजग के स्पष्ट बहुमत से साथ जीत हासिल करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ कर दिया है कि पिछले 10 सालों से जारी जनकल्याणकारी, महिला सशक्तीकरण और विकास की योजनाओं को जारी रखा जाएगा। विकसित भारत के निर्माण का संकल्प दोहराते हुए उन्होंने कहा कि यह रुकने का, थमने का समय नहीं है।प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचारियों को मिल रहे राजनीतिक समर्थन पर चिंता जताते हुए साफ किया कि तमाम चुनौतियों के बाद भी भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। पिछली बार की तुलना में कम सीटें मिलने पर विपक्ष के हमलों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा ने अकेले जितनी सीटें जीती हैं, उतनी सीटें एकजुट विपक्ष भी नहीं जीत नहीं पाया। कांग्रेस को आईना दिखाते हुए प्रधानमंत्री ने अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के विधानसभा चुनावों में भाजपा और सहयोगी दलों की जीत का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा पूरी तरह से साफ हो गया है और हालात यह है कि उनके उम्मीदवारों के लिए जमानत बचाना भी मुश्किल हो गया। उन्होंने केरल में पहली बार एक सीट पर जीत को कई पीढ़ियों से कार्यकर्ताओं के संघर्ष और बलिदान का परिणाम बताया।चुनाव प्रक्रिया पर विपक्ष के लगातार हमलों के बीच निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग का आभार जताते हुए प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया में भारत की साख में चार चांद लगाने वाला बताया।

वैक्स कराने के बाद ये काम जरूर करें वरना काली पड़ सकती है आपकी स्किन

अपने हाथों और पैरों को खूबसूरत बनाने के लिए लड़कियां वैक्सिंग करवाती है. लेकिन वैक्सिंग करने के बाद कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है, अगर आप इन बातों का ध्यान नहीं रखते हैं, तो इससे आपकी त्वचा काली पड़ने लगती है. आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जो वैक्सिंग के बाद करनी चाहिए. आइए जानते हैं उन टिप्स के बारे में.

वैक्सिंग के बाद करें ये काम

वैक्स करने के बाद लड़कियों के हाथ और पैरों से टैनिंग दूर होती है और स्किन सॉफ्ट बनती है. इसे करने के बाद हाथों और पैरों पर हो रहे अनचाहे बाल दूर होते हैं और हाथ पैर गोरे दिखने लगते हैं. जब भी आप वैक्स कराएं, तो वैक्स करने के बाद कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें. वैक्सिंग करने के बाद कई बार त्वचा से पसीना निकलने लगता है और स्किन चिपचिपी हो जाती है, ऐसा होने पर कई लड़कियां गर्म या गुनगुने पानी से नहा लेती है.

ठंडे पानी का इस्तेमाल

लेकिन ऐसा करना गलत हो सकता है. इसके लिए आपको वैक्स के बाद ठंडा पानी का इस्तेमाल करना चाहिए. वैक्सिंग के बाद डेड स्किन रोम छिद्रों को बंद कर सकती है, जिससे त्वचा का कालापन हो सकता है. वैक्सिंग करने के दो से तीन दिन बाद हफ्ते में तीन बार डेड स्किन को हटाने के लिए स्क्रब का इस्तेमाल करें.

मॉइस्चराइजिंग लोशन का इस्तेमा

इसके अलावा एक्सफोलिएट करने के बाद त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए आप मॉइस्चराइजिंग लोशन का इस्तेमाल कर सकते हैं. वैक्सिंग के बाद आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकते हैं, यह त्वचा को हाइड्रेट और शांत रखने में मदद करता है. वैक्स करने के बाद आप धूप में निकलने से बचे. ऐसा करने से त्वचा काली पड़ सकती है. अगर आप किसी जरूरी काम से बाहर जाते हैं, तो सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें.

टोनर का इस्तेमाल

आप स्कार्फ, टोपी और चश्मे का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, यह आपको धूप से बचाने में मदद करेगा. टोनर त्वचा के छिद्रों को बंद करता है और त्वचा को टाइट करने में मदद करता है. इसके लिए आप गुलाब जल का नेचुरल टोनर इस्तेमाल कर सकते हैं, यह त्वचा को शांत करने में काफी उपयोगी माना गया है.

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

वैक्सिंग के बाद कुछ लोगों की त्वचा पर लाल दाने होने लगते हैं, जब तक यह ठीक नहीं होते तब तक आपको अपनी स्किन का ध्यान रखना चाहिए. ऐसे में आप नियमित रूप से मॉइश्चराइजर, टोनर का इस्तेमाल करें और धूप में जाने से बचे. वैक्सिंग करने के बाद त्वचा को ठीक होने में थोड़ा समय लग सकता है. इसलिए घबराएं नहीं और एलोवेरा जेल जैसी चीजों का इस्तेमाल करें. वैक्स के बाद अगर आपकी स्किन पर खुजली चलती है, तो खुजली से बचे यह त्वचा को खराब कर सकती है. अगर वैक्स के बाद लंबे समय तक आपको समस्या रहती है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें.

स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सीखते वक्त आया शो बादल पे पांव है का आइडिया: सरगुन मेहता

अपकमिंग सीरियल बादल पे पांव है की निर्माता सरगुन मेहता ने शो के यूनीक कॉन्सेप्ट के बारे में कहा कि स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग करने वाली महिला के ऊपर पहली बार किसी शो की कहानी बनाई गई है। सरगुन ने कहा, मैं बहुत लंबे समय से स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सीखना चाहती थी, और मेरे सभी दोस्त, मेरे पापा, मेरे भाई और यहां तक कि अब मेरी भाभी भी स्टॉक ट्रेडिंग करते हैं। जब मैं स्टॉक के बारे में सीख रही थी, तब यह आइडिया मेरे दिमाग में आया और मैं सोचने लगी कि मैं यह क्यों करना चाहती हूं और किस तरह के लोग स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग करते हैं। उन्होंने कहा, तभी बानी का किरदार मेरे दिमाग में आया। यह न केवल मेरे सभी शो से अलग है, बल्कि यह सभी टीवी शो से भी अलग है। सबसे पहले, यह पूरी तरह से एक अलग दुनिया है। लंबे समय तक, महिलाएं केवल सिलाई या खाना पकाने का काम करती थीं क्योंकि उनके लिए करियर के ऑप्शन कम थे। इसलिए, उनमें जो भी स्किल थी, उन्होंने जो कुछ भी सीखा.. उसे करियर में बदल दिया। सरगुन ने कहा, लेकिन आज की पीढ़ी किसी खास हुनर से बंधी नहीं है। उन्होंने अपने लिए करियर के नए रास्ते खोल लिए हैं। आज महिलाएं हर काम कर रही हैं, तो फिर शेयर बाजार में ट्रेडिंग क्यों नहीं। एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू द्वारा निभाए गए बानी के किरदार को लेकर सरगुन ने कहा, इस किरदार की परिकल्पना काफी हद तक इस बात पर आधारित है कि मेरी परवरिश कैसे हुई है और मेरी मां कैसी हैं। हम ऐसे लोग हैं जो वाकई बड़े सपने देखते हैं। इसलिए, यह शो ऐसी लड़की की कहानी है जो उन सबसे सवाल कर रही है जो कहते हैं कि यही हमारी किस्मत है, और हम इसी में खुश हैं। वह उस सामाजिक मानदंड को चुनौती देती है। बानी के किरदार के लिए अमनदीप सिद्धू को चुनने पर सरगुन ने कहा, जब हमने अमनदीप का पहला ऑडिशन देखा तो मैं तुरंत उससे कनेक्ट हो गई। जब हमने उनके साथ मॉक शूट किया तो मेरे डायरेक्टर और मैं उन्हें चुनने के लिए 100 प्रतिशत राजी हो गए। हालांकि, मैं तब तक अमनदीप से नहीं मिली थी। लेकिन जब मैं पहली बार उससे मिली और उसे कुछ सीन सुनाए, तो मैंने उसकी आंखों में एक अलग चमक देखी। सरगुन ने कहा, उसने मुझे अपनी जिंदगी के कई ऐसे किस्से बताए जहां वह बिल्कुल बानी की तरह थी। उस पल, मुझे यकीन हो गया कि वह बानी ही है। अमनदीप बानी के बहुत करीब थी और मुझे लगता है कि वह बस इस किरदार को अपनाने का इंतजार कर रही थी। बादल पे पांव है 10 जून से सोनी सब पर प्रसारित होगा।

बॉक्स ऑफिस पर मिस्टर एंड मिसेज माही की कमाई में बढ़ोतरी

शरन शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही को बीते शुक्रवार यानी 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।फिल्म को समीक्षकों के साथ दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है, वहीं अभिनय के मोर्चे पर जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव भी खरे उतरे हैं।यही वजह है कि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म खूब नोट छाप रही है।अब मिस्टर एंड मिसेज माही के तीसरे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मिस्टर एंड मिसेज माही ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 5.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 16.85 करोड़ रुपये हो गया है।मिस्टर एंड मिसेज माही ने 6.75 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी।दूसरे दिन इस फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई और यह फिल्म 4.60 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।

मिस्टर एंड मिसेज माही में राजकुमार और जाह्नवी के अलावा

कुमुद मिश्रा, अभिषेक बनर्जी, जरीना वहाब और राजेश शर्मा जैसे शानदार कलाकारों ने काम किया है।जाह्नवी फिल्म में खूब चौके-छक्के लगाती दिखी हैं। राजेश ने उनके क्रिकेट कोच का किरदार निभाया है।कुमुद ने राजकुमार के पिता और जरीना ने उनकी मां की भूमिका निभाई है।बता दें कि जाह्नवी और राजकुमार इससे पहले फिल्म रूही में साथ काम कर चुके हैं।

प्रतीक गांधी की डेढ़ बीघा जमीन का पहला गाना मुसाफिर जारी, जुबिन नौटियाल ने लगाए सुर

अभिनेता प्रतीक गांधी को इन दिनों फिल्म डेढ़ बीघा जमीन में देखा जा रहा है, जिसमें उनके अभिनय की खूब तारीफ हो रही है।यह फिल्म 31 मई को जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों के साथ समीक्षकों की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।अब निर्माताओं ने डेढ़ बीघा जमीन का पहला गाना मुसाफिर गाना जारी कर दिया है, जिसे जुबिन नौटियाल ने अपनी आवाज दी है।इस गाने के बोल अर्को ने लिखे हैं। डेढ़ बीघा जमीन में प्रतीक की जोड़ी भूषण कुमार की बहन और अभिनेत्री खुशाली कुमार के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जा रहा है।इस फिल्म का निर्देशन पुलकित ने किया है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। भूषण कुमार इसके निर्माता हैं।गौरतलब है कि प्रतीक को आखिरी बार विद्या बालन के साथ फिल्म दो और दो प्यार में देखा गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।

सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ की कमाई में उछाल तीसरे दिन खाते में आए इतने करोड़ रुपये

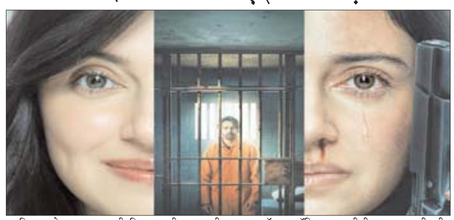

दिव्या खोसला कुमार की फिल्म सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ 31 मई को राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि, यह लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई है।बेशक सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास शुरुआत नहीं की हो, लेकिन वीकेंड पर फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिला।आइए जानते हैं इस फिल्म ने तीसरे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ ने रविवार को यानी रिलीज के तीसरे दिन 1.90 करोड़ रुपये का कारोबार किया।इस फिल्म ने 1.60 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी। दूसरे दिन इस फिल्म की दैनिक कमाई में इजाफा हुआ और इसने 1.80 करोड़ रुपये कमाए थे।इसी के साथ अब सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 5.30 करोड़ रुपये हो गया है। सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ के निर्देशन की कमान अभिनय देव ने संभाली है। मुकेश भट्ट इस फिल्म के निर्माता हैं।अनिल कपूर और हर्षवर्धन राणे भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।बॉक्स ऑफिस पर सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ का सामना मिस्टर एंड मिसेज माही से हो रहा है।इनके अलावा राजकुमार की फिल्म श्रीकांत की कमाई चौथे सप्ताह में भी जारी है। मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी भी इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है।

गर्मियों में दूध को खट्टा होने से रोकने के लिए अपनाएं ये 5 आसान टिप्स

गर्मी का मौसम आते ही सभी लोग ठंडे दूध से स्वादिष्ट लस्सी, आम जैसे फलों का शेक और कोल्ड कॉफी आदि बनाकर पीते हैं।हालांकि, बढ़ते तापमान के कारण आपके घर में रखा हुआ दूध हर दूसरे दिन खट्टा हो जाता है। यह समस्या तब भी हो सकती है, जब आप दूध को फ्रिज में रखते हों।इस परेशानी को रोकने के लिए आप ये 5 आसान रसोई के नुस्खे अपना सकते हैं।

खरीदारी करते वक्त अंत में दूध लें

शॉपिंग-मॉल, किराने की दूकान या किसी भी जगह से खरीदारी करते समय इस बात का ध्यान रखें की आप अंत में ही दूध का पैकेट खरीदें।ऐसा करने से दूध कम समय तक फ्रिज से बाहर रहेगा, जिससे इसके खराब होने का खतरा कम हो जाएगा। गर्म हवा के संपर्क में आने से इसमें हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।एक बार जब आप दूध खरीद लें, तो घर जा कर तुरंत उसे रेफ्रिजरेटर में रख दें।

दूध को तुरंत उबालें

अगर पैकेट वाले दूध को फ्रिज में ठीक तरह से रखा जाए, तो उसके खराब होने की संभावना कम हो जाती है। हालांकि, इसे खट्टे होने से रोकने के लिए जरूरी है कि आप दूध को तुरंत उबाल लें।दूध तब खराब होता है, जब उस पर हानिकारक बैटीरिया जमने लगते हैं। ऐसे में दूध उबालने से सभी बैक्टीरिया मर जाते हैं और दूध खट्टा नहीं होता।जब दूध उबल जाए तो उसे हल्का ठंडा करके ही फ्रिज में रखें।

फ्रिज में करें स्टोर

अगली किचन टिप है कि आपको दूध को सही तरह से फ्रिज में स्टोर करना है। दूध के पैकेट या बोतलें रेफ्रिजरेटर के दरवाजे में न रखें, क्योंकि दरवाजा खुलने पर वे बाहर के तापमान के संपर्क में आएंगे।इन्हें अपने फ्रिज के चिलर-ट्रे सेक्शन में रखें। फ्रिज का दवराजा खुलने पर भी यह कम्पार्टमेंट बंद रहता है, जिससे दूध खट्टा नहीं होगा।अगर आपने दूध को भगोने में रखा है, तो इसे फ्रिज के पीछे वाले हिस्से में रखें।

दूध को देर तक फ्रिज के बाहर न रखें

सभी लोग इस टिप पर जोर देते हैं कि हमें लंबे समय तक दूध को फ्रिज से बाहर नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से दूध जल्दी खरब हो जाता है और उसका स्वाद खट्टा हो जाता है।जब आपको दूध इस्तेमाल करना हो, तब ही उसे फ्रिज से निकालें और तुरंत वापस रख दें।अगर दूध देर तक बाहर के गर्म तापमान के संपर्क में आता है तो यह पीला पड़ने लगता है और वह जल्दी फट भी सकता है।

अतिरिक्त दूध को फ्रीजर में रखें

कनाडा के डेयरी फार्मर्स की वेबसाइट के अनुसार, दूध फ्रीजर में 6 सप्ताह तक सही रहता है। इस दौरान इसके स्वाद और पोषण मूल्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।अगर आपने ज्यादा मात्रा में दूध खरीदा है, जिसका जल्द उपभोग होने की संभावना नहीं है तो उसे फ्रीजर में रख दें। इन दूध के कंटेनरों को खोले बिना ही फ्रीजर में रखें।जानिए दूध के सेवन से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ।

सामंथा रुथ प्रभु की लेटेस्ट तस्वीरों ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

साउथ की खूबसूरत एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। इन दिनों भले ही एक्ट्रेस एक्टिंग से ब्रेक ले चुकी हैं, लेकिन आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। हालिया शेयर की गई तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु आए दिन अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फोटोज पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही छा जाता है।

हाल ही में एक्ट्रेस सामथा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उन पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने रेड कलर का बेहद ही सेक्सी जंपसूट आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं।

बालों को ओपन कर के और साथ ही न्यूड मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

पुष्पा 2: द रूल से जारी हुआ नया पोस्टर कंधे पर गन रखे नजर आए अल्लू अर्जुन

पुष्पा 2: द रूल' को लेकर एक्साइटमेंट तेजी से बढ़ता जा रहा है और फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए अल्लू अर्जुन के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म के जबरदस्त टीजर, फर्स्ट सॉन्ग 'पुष्पा पुष्पा' और सेकंड सॉन्ग 'द कपल सॉन्ग' ने सभी दर्शकों को थ्रिल कर दिया है. फिल्म को लेकर इस एक्साइटमेंट के बीच, मेकर्स ने रिलीज को लेकर उल्टी गिनती शुरू कर दी है. इस तरह से पुष्पराज के रूल की शुरुआत के साथ ही 'पुष्पा 2: द रूल' को बड़े पर्दे पर आने में अब बस 75 दिन बाकी हैं. पुष्पा 2: द रूल के मेकर्स ने हाल ही में फैंस की एक्साइटेमेंट को बढ़ाने वाला एक और काम किया है. क्योंकि अब मेकर्स ने फिल्म का सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, 75 दिन बाकी हैं पुष्पा राज के रूल के लिए. उनका रूल भारतीय सिनेमा में एक नया अध्याय लिखेगा. नए पोस्टर में पुष्पराज अपने कांधे पर राइफल लेकर लुंगी पहने देखे जा सकते हैं. आपको बता दें कि इससे पहले फिल्म का सेकंड ट्रैक सूसेकी (तेलुगु), अंगारों (हिंदी), सूडाना (तमिल), नोडोका (कन्नड़), कंडालो (मलयालम), और आगुनेर (बंगाली) जैसे 6 अलग-अलग भाषाओं में रिलीज हआ था. यह गाना एक फन, पावर पैक्ड, पेपी नंबर है जो जरूर दशकों में धमाल मचाएगा. गाने को खूबसूरत तरीके से बनाया गया है और इसे मेलोडी क्वीन श्रेया घोषाल ने सभी 6 भाषाओं में गाया है.

शब्द सामर्थ्य -078

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

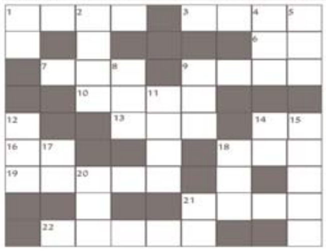

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 077 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द		स	पू	त
ल		ब	ल	बा	न			द
म	ह	क		खा	म	खां		बी
ग्न		त	ल	ना		स	फ	र
	म	रा				ना	टा	
	हि		स				फ	न
	ला	ज	वा	ब		म	ट	र
मां		ग		सं	त	ति		भ
	मा	त	ह	त			प	क्षी

गन्ना खेत से गुजरे विद्युत लाइन की चपेट में आया हाथी, मौत

बिश्रामपुर। लटोरी चौकी क्षेत्र अंतर्गत अखोराकला गांव के गन्ना खेत मे एक हाथी की हाई वोल्ट करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। ग्रामीणों की माने तो सोमवार की देर रात गन्ना खेत मे दो हाथियों में जमकर टकराव हुआ और इसी बीच एक हाथी की टक्कर से हाई वोल्टेज विद्युत लाइन का खंभा क्षतिग्रस्त होकर दूसरे हाथी के ऊपर गिरने की वजह से करंट से एक हाथी की मौत हो गई और दूसरे हाथी ने वही समीप के जंगल मे डेरा डाल रखा है। वन अधिकारी दो हाथियों में द्वंद की बात को बेबुनियाद बता रहे है।

सूरजपुर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत लटोरी चौकी इलाके के अखोराकला गांव की बस्ती के बाहर प्रयाग यादव के गन्ना खेत मे ग्रामीणों ने मंगलवार की सुबह एक हाथी को मृत पड़ा देखा। ग्रामीणों ने यह भी देखा कि कल्याणपुर फीडर से अखोराकला की ओर गुजरी 11 केवी विद्युत लाइन का एक खंभा क्षतिग्रस्त होकर झूला हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक माह भर से हाथियों की इलाके में आवाजाही हो रही है। उन्होंने बताया कि समीप ही जंगल मे दो सप्ताह से दो हाथी डेरा डाले हुए है और वे मक्का व गन्ना खेतो में अपनी भूख मिटाने पहुंचते है। ग्रामीणों का कहना है कि सोमवार की देर रात दो हाथियों का दल गांव किनारे स्थित मक्का व गन्ना खेत में फसल खा रहा था। उसी दौरान प्रयाग यादव के गन्ना खेत मे दोनों हाथियों के बीच जमकर द्वंद हुआ। इस दौरान एक हाथी की टक्कर से 11 केवी विद्युत लाइन का बिजलीं खंभा धराशायी हो गया। जिससे दूसरा हाथी हाई वोल्ट करंट की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई।

हाथी की करंट से मौत की सूचना मिलते ही वाइल्ड लाइफ के चीफ कंजरवेटर केआर बढ़ाइक, सूरजपुर वन मण्डलाधिकारी पंकज कमल, एसडीओ फारेस्ट अनिल सिंह सुरजपुर, आशुतोष भगत प्रतापपुर, वन परिक्षेत्राधिकारी उमेश वस्त्रकार वन अमले के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण भी किया।

करंट से मृत बंडा मकना हाथी का वजन चार टन से अधिक था और उसकी आयु 55 वर्ष थी। पशु चिकित्सक डा़ महेंद्र पांडेय बिश्रामपुर, डा़ गोविंदा साहू कल्याणपुर व डॉ नरेंद्र पैकरा चन्द्रमेढ़ा की तीन सदस्यीय टीम द्वारा मृत हाथी का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम में पाया गया कि करंट की चपेट में आने से हाथी की मौत हुई है। इस आशय की पुष्टि डॉ महेंद्र पांडेय ने की। पीएम के बाद वही खेत में वन अमले ने गड्ढा खोदकर मृत हाथी को दफना दिया।

दो हाथियों में आपसी लड़ाई की बात निराधार है। दो हाथियों के आठ दस दिन से घटना स्थल के आसपास जंगलों में आवाजाही हो रही थी। अवलोकन से स्पष्ट है कि दोनों हाथी उक्त गांव में बस्ती के बाहर स्थित मक्का व गन्ना खेत मे आए थे। गन्ना खेत मे गन्ना खाने के बाद वापस जंगल लौटने के दौरान मस्ती के मूड में एक हाथी ने हाई वोल्टेज विजली लाइन के खंभे में टक्कर मार दी। जिससे बिजलीं खंभे के दूसरे हाथी के ऊपर गिरने की वजह से करंट की चपेट में आने से एक हाथी की मौत हुई है।

सड़क दुर्घटना में घायल चांदो समिति प्रबंधक ने तोड़ा दम

बलरामपुर। सड़क हादसे में पिछले मंगलवार की रात अंबिकापुर से सात किलोमीटर दूर कार व ट्रक की टक्कर में बलरामपुर जिले के एक समिति प्रबंधक की मौके पर ही मौत हो गई वहीं दूसरा समिति प्रबंधक गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसका इलाज अंबिकापुर के निजी अस्पताल में चल रहा था जिसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार बलरामपुर रामानुजगंज जिले से समिति प्रबंधक हाईकोर्ट गए थे। जहां से वे वापस आ रहे थे इसी दौरान बलेनो कार में महाराजगंज समिति प्रबंधक दीपक मिंज अपने साथी चांदो समिति प्रबंधक फिरोज अंसारी के साथ था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से पिछले मंगलवार की जबरदस्त टक्कर हो गई जिससे मौके पर ही दीपक मिंज की मौत हो गई। वहीं फिरोज गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे अंबिकापुर के निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां इलाज के दौरान आज उनकी आज मृत्यु हो गई।हाईकोर्ट गए समिति प्रबंधकों ने बताया कि जिला खाद्य अधिकारी के द्वारा लगातार भारी दबाव सभी समिति प्रबंधकों पर बनाया जा रहा था। समिति प्रबंधकों ने बताया कि उठाव जीरो हो चुका था परंतु लंबे समय तक उठाव नहीं होने कारण सभी बोरा में सूखत एक किलो से तीन किलो हो गया था। जिसकी भरपाई के लिए जिला खाद्य अधिकारी के द्वारा लगातार दबाव किया जाता था जिसका कारण हम लोग हाईकोर्ट गए थे।

कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती ज्योत्सना महंत को 62 हजार 447 मत प्राप्त हुए वहीं भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय को 61 हजार 423 मत मिले

कोरिया बैकुंठपुर। कोरबा लोकसभा निर्वाचन के तहत आज सुबह 8 बजे से बैकुंठपुर विधानसभा निर्वाचन 03 के अंतर्गत 228 मतदान केंद्रों का मतगणना शुरू हुए, जो करीब शाम 5 बजे चलती रही।

कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार, मतगणना पर्यवेक्षक गोपीचंद कदम व जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी सुबह से मतगणना स्थल पर उपस्थित रहे। मतगणना 14 टेबलों में 17 राउण्ड तक हुआ। कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत को कुल 62 हजार 447 मत मिले तो भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी सुश्री सरोज पांडेय को 61 हजार 423 मत प्राप्त हुए। जबकि बसपा प्रत्याशी दूजराम बौद्ध को 994, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी प्रत्याशी कमल देव को 659, सर्व आदिवासी दल प्रत्याशी प्रशांत डेनियल को 159, रि-पब्लिक पार्टी इंडिया प्रत्याशी प्रियंका पटेल 118, छत्तीसगढ़ विकास गंगा राज पार्टी प्रत्याशी रेखा तिवारी 144, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी प्रत्याशी श्याम सिंह मरकाम 5 हजार 95, भारतीय जनशक्ति पार्टी प्रत्याशी सुनील कुमार विश्वकर्मा 187 वहीं निर्दलीय उम्मीदवार अमरीका करपे 159,

कल्याण सिंह तंवर 218, राजगुरु केवल गोस्वामी 250, कौशल्या बाई पोर्ते 358, जयचन्द्र सोनपाकर 690, दिलीप मिरी 370, निर्दोष कुमार यादव 1 हजार 207, पालन सिंह 560, पुरुषोत्तम मानिकपुरी 109, प्रताप भानु 237, महेन्द्र कुमार श्रीवास 129, रमेश दास महंत 65, राजेश पांडेय 154, शान्ति बाई मरावी 96, शिवपूजन सिंह 81, शेख रउफ 110, शोबरन सिंह सैमा 186 एवं संतोष शर्मा को 281 को मत प्राप्त हुए वहीं नोटा को 540 मत मिले। इस तरह मतदान केंद्र पर रिकार्ड किए गए कुल मतों की संख्या 1 लाख 37 हजार 26 है।

लगातार पांचवीं बार भाजपा का परचम, चिंतामणि बने सांसद

अंबिकापुर। सरगुजा संसदीय सीट पर भाजपा ने जीत का क्रम जारी रखा है। भाजपा के चिंतामणि महाराज ने कांग्रेस की शशि सिंह को 64822 मतों से पराजित कर दिया है। चिंतामणि महाराज को ईवीएम तथा डाक मतपत्र मिलाकर कुल 713200 तथा शशि सिंह को 648378 मत हासिल हुए हैं। पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में भाजपा के जीत का अंतर कम हुआ है। चार माह पहले हुए विधानसभा चुनाव में सरगुजा संसदीय सीट के आठ विधानसभा में मिली एक लाख 73 हजार 948 मतों की बढ़त को भाजपा बरकरार नहीं रख सकी।

लोकसभा चुनाव में यह घटकर 64822 रह गई है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद से भाजपा ने पांचवीं बार सरगुजा संसदीय सीट पर कब्जा जमाया है लेकिन इस बार जीत का अंतर सबसे कम है। मालूम हो कि सरगुजा संसदीय सीट से कुल 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे लेकिन मुख्य मुकाबला भाजपा के चिंतामणि महाराज तथा कांग्रेस की शशि सिंह के बीच ही था।सरगुजा संसदीय सीट के लिए मतों की गिनती मंगलवार सुबह अंबिकापुर के पॉलिटेक्निक कॉलेज के अलावा जिला मुख्यालय बलरामपुर तथा सूरजपुर में आरंभ की गई। अंबिकापुर में सीतापुर ,अंबिकापुर तथा लुंड्रा विधानसभा के मतों की गिनती हुई। बलरामपुर में सामरी और रामानुजगंज विधानसभा तथा सूरजपुर में भटगांव ,प्रतापपुर तथा सूरजपुर विधानसभा के मतों की गिनती आरंभ हुई।

मतगणना आरंभ होने के साथ ही भाजपा के चिंतामणि महाराज ने बढ़त बनानी शुरू कर दी थी। एक बार उनकी बढ़त 81907 मतों तक पहुंच गई थी लेकिन अंतिम के राउंड में कांग्रेस प्रत्याशी शशि सिंह ने वापसी की 23 राउंड की मतगणना तथा डाक मत पत्र से मिले वोट के आधार पर भाजपा के चिंतामणि महाराज ने 64822 मतों से जीत हासिल किया।

जीत के बाद भाजपाइयों ने जमकर जश्न मनाया। भाजपा कार्यालय में सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिले के भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता पहुंचे। सभी ने चिंतामणि महाराज को जीत की बधाई दी।

बाल कलाकारों ने लघु नाटकों के जरिए दी पर्यावरण बचाने की जानकारी

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विधानसभा रोड स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में वन विभाग के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षण (वन्य जीवन) प्रेम कुमार, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास योजना) अरूण कुमार पाण्डे और प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनिल कुमार साहू ने भाग लिया। अध्यक्षता ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने किया। चर्चा का विषय था - पर्यावरण संरक्षण और हमारा दायित्व। इस अवसर पर बोलते हुए अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षण (वन्य जीवन) प्रेम कुमार ने कहा कि वर्तमान समय प्रदूषण इतना विकराल रूप ले चुका है कि हरेक को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझने की जरूरत है। पर्यावरण को सरंक्षित और सवंर्धित करने के लिए जहाँपर भी खाली जगह मिले वहाँ पेड़ लगाकर प्रकृति से जुड़ें। उन्होंने कहा कि अगर जीवन में खुशी चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और उनका संवर्धन करें। जब तक हम आत्म केन्द्रित रहेंगे तब तक अपना और प्रकृति का विनाश करते रहेंगे। हम मनुष्यों ने मिलकर विनाश की लीला रची है। इसलिए हमें ही इसे ठीक करना होगा। वर्तमान समय पर्यावरण की रक्षा के लिए आन्दोलन शुरू करने की आवश्यकता है।

पुष्प वाटिका में मिली युवक की संदिग्ध अवस्था में लाश

लखनपुर। नगर के हृदय स्थल खारिखा पखना तालाब पुष्प वाटिका में मंगलवार सुबह एक युवक का शव झाड़ियों से ढंका मिला। राष्ट्रीय राजमार्ग से लगे इस इलाकें में मार्निंग वाक पर निकले लोगों ने युवक के शव को देखा। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव के ऊपर से झाड़ियों को हटाया। मृतक युवक के चेहरे और गले में चोट के निशान होने पर फोरेंसिक और डाग स्क्वायड टीम को बुलाया गया। लखनपुर पुलिस शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कराई। अज्ञात शव की शिनाख्त रामनारायण पिता जयनाथ राम जाति गोंड रजपुरीकला धनपुरीपारा थाना लखनपुर निवासी के रूप में हुई। स्वजनों ने उसकी हत्या की शंका जाहिर की है। पंचनामा व शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। लखनपुर पुलिस इस मामले में संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बता दें कि राष्ट्रीय राजमार्ग अंबिकापुर-बिलासपुर के बगल में बनी पुष्प वाटिका में शाम ढलते ही असामाजिक तत्वों का डेरा रहता है। साथ ही साथ नशाखोरी जैसी गतिविधि यहां होती रहती हैं। कई बार स्थानीय पुलिस के द्वारा पेट्रोलियम के दौरान कार्रवाई भी की गई परंतु रात के अंधेरे में ऐसे लोग यहां डेरा जमाए रहते हैं।

विकराल आग बुझाने में लगा 70 टैंकर पानी व 14 घंटे की मेहनत

अंबिकापुर। शहर में लगी सबसे भयंकर व विकराल आग पर काबू पा लिया गया है। चोपड़ापारा स्थित एक खेल सामग्री की थोक दुकान एवं होटल में सोमवार सुबह शार्ट सर्किट से आग लगी थी। देखते ही देखते पांच मंजिला दोनों भवनों में भीषण आग की लपटें उठने लगी। आग बुझाने में अग्निशमन विभाग नगर सेना, पुलिस व प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी थी। लगभग 70 टैंकर पानी व 14 घंटे की अथक मेहनत के बाद देर रात करीब एक बजे आग पूरी तरह से नियंत्रित हुई। इस अग्नि दुर्घटना में करोड़ों की खेल सामग्री के अलावा दोनों भवन में लगी कीमती सामग्री जल कर नष्ट हो गई।

सोमवार की सुबह चोपड़ापारा मोहल्ले के रिहायशी इलाके में संचालित स्पोर्ट्स सेंटर के नीचे शार्ट सर्किट से आग लगी। देखते ही देखते खेल सामग्री की थोक दुकान व होटल राधेकृष्णा में फैल गई। बहुमंजिला दोनों भवन के हर हिस्से में आग व धुआं फैल गया। अग्निशमन विभाग, नगर सेना, एसडीआरएफ, पुलिस व प्रशासन की टीम ने आग बुझाने मोर्चा संभाल लिया। पांच मंजिला दोनों भवन के लिहाज से अग्निशमन विभाग के पास साधन-संसाधन की कमी दिखी। दमकल वाहन से पानी की बौछार भीतर के हिस्से तक काफी देर में पहुंच पाई। यही कारण रहा कि आग पर पूरी तरह काबू पाने में घंटों मशक्कत करनी पड़ी। चोपड़ापारा मोहल्ले में संचालित खेल सामग्री दुकान व होटल के पिछले हिस्से में एक छोटा सा प्रवेश द्वार है जहां शटर लगा हुआ है। सामने के हिस्से में आग भीषण रूप से फैली तब अग्निशमन विभाग की टीम ने पिछले हिस्से से जाने का प्रयास किया। शटर को तोड़कर पानी की बौछार की लेकिन वह उपयोगी साबित नहीं हुआ। यदि पीछे से आने-जाने का सुगम मार्ग रहता तो आग पर जल्दी काबू पाने में मदद मिलती। नगर सेना के संभागीय कमांडेंट राजेश पांडेय के नेतृत्व में फायर स्टेशन प्रभारी अंजनी तिवारी सहित दमकलकर्मी एवं एसडीआरएफ के करीब 50 कर्मी सुबह दस बजे से देर रात करीब एक बजे तक आग बुझाने और दोनों भवन को कूलिंग करने में लगे रहे। अग्नि दुर्घटना के बाद एसपी राजेश अग्रवाल स्वयं घंटों मौके पर मौजूद रह बचाव कार्य की निगरानी करते रहे।

गाज की चपेट में आकर दो की मौत, दो गंभीर

रायपुर। जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई वहीं दो लोगों की हालत नाजुक बनी हुई हैं। घायलों का उपचार अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार बेलगहरा क्षेत्र के मरहिमाता मंदिर के पास यह हादसा हुआ है। तखतपुर क्षेत्र के ग्राम बीजा के चार लोग रविवार को मरहीमाता मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए गए हुए थे। इसी दौरान शाम को अचानक मौसम का मिजाज बदला और बारिश शुरू हो गई। इस दौरान चारों व्यक्ति बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े हुए थे, तभी आकाशीय बिजली गिरी और इससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

भीषण गर्मी की चपेट में छत्तीसगढ़, मानसून का इंतजार सभी को

रायपुर। इस वर्ष छत्तीगसढ़ में ग्रीष्म ऋतु में निरंतर बढ़ते तापमान में गर्मी के सारे रिकार्ड तोड़ दिये। सर्वाधिक तापमान मुंगेली जिले में गत दिनों 47 डिसी दर्ज किया गया। वहीं रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में भी तापमान औसतन 45, 46 डिग्री तक दर्ज किया गया। सघन वन संभागों यथा सरगुजा एवं बस्तर में भी पिछले दस वर्षों की तुलना में मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस वर्ष लगातार तापमान में वृद्धि देखी गई। नवतपा में नौ दिन रिकार्ड तोड़ गर्मी पड़ी जिससे न केवल छग वरन देश के अन्य राज्यों में भी तापमान 50 से 52 डिग्री दर्ज किया गया। पर्यावरण प्रेमी एवं प्रकृति के लिए निरंतर काम करने वाले संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रमाशंकर अवधिया के अनुसार लगातार तापमान में हो रही वृद्धि आने वाले समय में गंभीर स्थिति की ओर इशारा करती है। लगातार गर्मी की चपेट में आने से जहां जांजगीर चांपा जिले में अब तक 12 लोगों के लू की चपेट में आने से मृत्यु हो गई है। वहीं राजधानी सहित प्रदेश वासियों को अब मानूसन का बेसब्री से इंतजार है।

पुलिया से नीचे गिरा क्लिंकर लोड ट्रक, चालक की मौत

बलरामपुर। सोमवार रात बलौदाबाजार से क्लिंकर लोड कर औरंगाबाद जा रहा ट्रक राष्ट्रीय राज्य मार्ग में अनियंत्रित होकर सेमरसोत के पास पुलिया से करीब 20 फीट नीचे गिर गया। इस दुर्घटना में ट्रक चालक की मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना पर पस्ता पुलिस मौके पर पहुंची। पस्ता चौकी में मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार बलौदाबाजार से क्लिंकर लोड कर चालक राजा बसंत पिता भगवान यादव उम्र 21 वर्ष, ग्राम यादवपुर जिला आरा बिहार औरंगाबाद जा रहा था। इसी दौरान ट्रक अनियंत्रित होकर राष्ट्रीय राज्य मार्ग में सेमरसोत जंगल के पास पुलिया को तोड़ते हुए नीचे गिर गया। गंभीर चोट लगने से चालक की मौत हो गई। घटना की जानकारी सुबह पस्ता चौकी को लगी। मौके पर प्रधान रक्षक श्रीनाथ सिंह, देव कुमार रामसाय सहित पुलिस बल पहुंचा। पुलिस मर्ग कायम कर घटना की जांच कर रही है।

10 दिनों के भीतर टीबी के आए 1,520 मरीज

रायपुर। स्वास्थ्य विभाग ने वर्ष 2025 तक राज्य को पूरी तरह से टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन तपेदिक (टीबी) के मरीजों की तेजी से बढ़ती संख्या ने चिंता बढ़ा दी है। 10 दिन में 1520 नए टीबी मरीज सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक साढ़े चार महीने में 14220 मरीज मिले हैं. पिछले साल करीब 38 हजार टीबी मरीज मिले थे। वहीं, अब तक 532 से ज्यादा एमडीआर (मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट) मामले भी पहचाने जा चुके हैं। इसकी मृत्यु दर 60 प्रतिशत तक है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना काल के बाद से टीबी के मरीजों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसके कारणों को जानने के लिए शोध की जरूरत है। टीबी रोग माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होता है। यह एक ऐसी बीमारी है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलती है। यह उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है जिनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है। टीबी की दवा बीच में बंद नहीं की जा सकती। मरीज के वजन के अनुसार छह माह से लेकर दो साल तक की विभिन्न श्रेणियों की दवाएं दी जाती हैं। अगर दवा में गैप हो तो मरीज को दवा प्रतिरोधी टीबी हो सकती है, जो बेहद खतरनाक हो सकती है। टीबी के मरीजों को खाली पेट दवा खानी पड़ती है। यदि पाठ्यक्रमों के बीच लंबा अंतराल हो तो मरीजों का दोबारा फॉलोअप किया जाता है। केंद्र से नहीं मिल रही दवा : राज्य के सरकारी अस्पतालों में टीबी की दवा नहीं मिलने से मरीजों को खाली हाथ लौटना पड़ता है. फरवरी से सरकारी अस्पतालों में टीबी की दवाओं की कमी हो गई थी।

निजात अभियान के चलते नशे के विरुद्ध हुई लगातार कार्यवाही

रायपुर। निजात अभियान के तहत चार महीने में पिछले सालों की इसी अवधि की तुलना में आईपीसी के कुल अपराधों में 7 फीसदी की कमी देखने को मिली है। मारपीट में 5 प्रतिशत, हत्या के प्रयास में 22 प्रतिशत, चाकूबाजी में 31प्रतिशत छेड़छाड़ में 23प्रतिशत और चोरी में 5प्रतिशत की कमी आई है।

पहले घर और अब ज्वेलरी दुकान में चोरों की दबिश, 26 लाख के जेवरात पार

बतौली। नगर के मुख्य मार्ग में स्थित दीपांशु ज्वेलर्स का ताला तोड़कर शातिर चोरों ने 26 लाख के सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। तीन माह पहले उक्त संस्थान के संचालक के घर से चोरी की बड़ी वारदात हुई थी जिसके आरोपित अभी तक फरार हैं। घटना की खबर लगते ही बतौली में आक्रोश व्याप्त हो गया। व्यापारी संघ ने सात दिनों के अंदर आरोपितों की धर पकड़ न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। पीड़ित दुकान संचालक ने कहा कि पहले और सोमवार रात हुई घटना में एक ही गिरोह शामिल है, लेकिन पुलिस इस मामले में चुस्त रवैया नहीं अख्तियार कर रही है।

बता दें कि दीपांशु ज्वेलर्स संस्थान बतौली मुख्य मार्ग पर पुराना बस स्टैंड पर स्थित है। यहां पर 24 घंटे भीड़भाड़ की स्थिति रहती है । गाड़ियों की आवाजाही बनी रहती है।संस्थान के संचालक मुकेश सोनी ने दुकान किराए में लेकर दो साल पहले यह संस्थान शुरू किया था। उनकी एक दुकान दीपांशु मोबाइल बगीचा रोड में भी स्थित है। सोमवार रात अज्ञात लोगों ने दुकान के सामने से शटर का कुंदा तोड़कर पूरा दुकान खाली कर दिया है। मुकेश सोनी ने बताया कि बड़े लाकर में रखे सोने और चांदी के जेवरातों के अलावा अलमारी में रखे जेवरातों की चोरी हुई है । कुल 26 लाख से ज्यादा के जेवरात चोरी हुई है। मामले की खबर लगते ही बतौली में हंगामा मच गया । व्यापारी संघ ने अपना आक्रोश इस मामले में व्यक्त किया है । एक सप्ताह के अंदर चोरों की गिरफ्तारी न किए जाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। मुकेश सोनी ने इस मामले में पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा है कि तीन महीने के अंदर उनके घर और दुकान में चोरी की घटना हुई है । बावजूद इसके पुलिस ने अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है । उन्होंने पुलिस से शीघ्र आरोपितों की गिरफ्तार की मांग की है। इधर व्यापारी संघ ने कहा है कि लगातार बतौली क्षेत्र में चोरी की घटनाएं हो रही है । बतौली असुरक्षित होता जा रहा है । ऐसे में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना लाजिमी है। दुकान संचालक ने बताया कि 26 लाख से ज्यादा की चोरी की गई है। चोरी के जेवरातों में 15 किलो चांदी के पायल, बिछिया, चूड़ी और अन्य सामान शामिल है ।इसके अलावा डेढ़ किलो लगभग चांदी के सिक्के भी चोरी गए हैं । पांच किलो चांदी के बर्तन जिसमें गिलास, कटोरा, चम्मच ,थाली शामिल है, इनकी भी चोरी कर ली गई है । बड़े लॉकर में 100 ग्राम नाक के सोने की किल रखे गए थे, उसे भी चोरों ने गायब कर दिया है । इन सबके अलावा एक ग्राहक के सोने की दो बाली जिसका वजन पांच ग्राम और दराज में रखे 13 हजार रुपये नकदी की चोरी भी कर ली गई है। मुकेश सोनी ने कहा कि तीन महीने पहले इतनी ही रकम के सोने और चांदी की जेवरातों की चोरी घर से की गई थी। बतौली में लगातार बढ़ती चोरी की घटनाओं से अब लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है । व्यापारी संघ ने कहा है कि एक हफ्ते के अंदर आरोपित यदि नहीं पकड़े जाते तो उग्र आंदोलन किया जाएगा । व्यापारी संघ के अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि बार-बार हो रही घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। व्यापारी कड़ी मेहनत करके

अपने परिवार का पालन पोषण करता है । उन्होंने कहा कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले। थाने में रिपार्ट दर्ज कराने के दौरान व्यापारी संघ के उपाध्यक्ष हरी गुप्ता, उमेश अग्रवाल, आनंद गुप्ता, गुलाब गोयल,नवीन गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल के अलावा विष्णु गुप्ता, अजीत गुप्ता, राजकुमार सोनी, विकास गुप्ता व अन्य उपस्थित रहे। मौके पर उपस्थित पुलिस अधिकारी ओमप्रकाश कौशिक ने कहा कि डाग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की मदद ली जा रही है । जल्द ही चोरों का पता लगा उनकी गिरफ्तारी की जाएगी । उन्होंने उपस्थित लोगों से संयम बरतने कहा। पुराने बस स्टैंड पर मुख्य मार्ग पर यह दुकान स्थित है। रिहायशी क्षेत्र में शटर का कुंदा तोड़कर चोरी करना चोरों के बुलंद हौसले को बयां करता है। पूर्व में हुई चोरी के 50 दिन बाद जिस तरह चोरों ने खाली डिब्बे घर के पास फेंके थे ,उसी अंदाज में सोमवार रात हुई चोरी के मामले में भी आरोपितों ने जेवरात खाली करने के बाद खाली डिब्बे दुकान के पीछे फेंक दिया है। पूरी तरह रेकी कर चोरी की घटना की गई है।

मतगणना स्थल अंबिकापुर में अधिकांश पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। ऐसे में पुलिस के व्यस्त रहने का भी फायदा चोरों ने उठाया है । बतौली में जेवरातों की हुई चोरी के मामले में एसडीओपी सहित डाग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने जांच की। इस दौरान खोजी कुत्ता दुकान के सामने से होते हुए पीछे गली तक पहुंचा और जहां पर चोरों ने खाली डिब्बे छोड़े थे। वही दूसरी तरफ फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट के साथ जैसे ही पुलिस की टीम शाम को दुकान के अंदर घुसी। मामले में नया पेंच आ गया। थाना प्रभारी चंद्र प्रताप तिवारी ने बताया कि आनन फानन में दुकान संचालक ने चोरी की घटना सुनी और उसके बाद उन्होंने दुकान के अंदर अच्छे से जांच नहीं की और चोरी की घटना में दुकान में मौजूद सभी जेवरातों की चोरी होने का उल्लेख कर दिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि बारीकी से जांच करने के बाद दुकान के अंदर पुलिस टीम को अधिकांश जेवरात बरामद हो गए। उन्होंने कहा कि हो सकता है किसी की आवाज सुनकर अचानक चोर भाग निकले हो या उन्हें अंदेशा हो कि कोई उन्हें देख लेगा। इसी वजह से रिपोर्ट में दर्ज सात किलो चांदी जिसमें पायल, बिछिया, चूड़ी , बर्तन, चम्मच, गिलास ,कटोरी शामिल थे वे बरामद हो गए हैं। इसके अलावा चांदी के डेढ़ किलो सिक्के की भी बरामदगी हो गई है। 100 ग्राम सोने की किल जो रिपोर्ट में दर्ज है वह भी दुकान में मिल गई है। कुल मिलाकर सात किलो चांदी जो शोकेस में रखे हुए थे और 13 हजार नकद सहित ग्राहक की दो सोने की बालियां चोरी चली गई है ।इस मामले में दुकान संचालक मुकेश सोनी ने बताया कि कुल सात से आठ लाख की चोरी हुई है । चोरी की घटना सुनने के बाद अंदर जांच में किसी तरह की परेशानी न हो इसलिए सभी सेल्फ और लाकर को खंगाल कर नहीं देखा गया था। देर शाम पुलिस को अधिकांश जेवरात मिल गए।

पर्यावरण की रक्षा सभी का दायित्व, 25 हजार पौधों के रोपण के लक्ष्य के साथ अभियान की शुरूआत

आरएसएस के पर्यावरण गतिविधि विभाग के सरोकार

कोरबा। विश्व पर्यावरण दिवस पर सरकारी संगठनों के अलावा सामाजिक संस्थाओं ने भी आगे आकर पर्यावरण की रक्षा को लेकर जिम्मेदारी ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण गतिविधि विभाग ने इस मौके पर पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 15 ढोढ़ीपारा स्थित काली मंदिर क्षेत्र में इसका औपचारिक शुभारंभ किया गया।

प्रारंभिक क्रम में आयोजकों के द्वारा यहां सीमित पौधे रोपे गए। क्षेत्र के लोगों की उपस्थिति में पर्यावरण के महत्व पर चर्चा हुई। लोगों को जागरूक किया गया कि देश और दुनिया में बन रहे पर्यावरण असंतुलन के हालात आने वाले भविष्य के लिए चेतावनी है इसलिए हम सभी को बढ़-चढ़कर अपने आसपास के पर्यावरण की सुरक्षा करनी होगी। इस काम को करने के लिए अधिक से अधिक पौधों का रोपण जरूरी है ताकि वे आने वाले समय में वृक्ष बनकर अपनी भूमिका निभाए। एसडीओ फारेस्ट के साथ-साथ पर्यावरण गतिविधि प्रमुख सेना के पूर्व कैप्टन मुकेश अधलखा ने पर्यावरण से संबंधित विषय पर सारगर्भित विचार रखे। पर्यावरण के समक्ष बनी हुई चुनौतियों के प्रति लोगों को सचेत किया और उनकी जिम्मेदारी बताई। बताया गया कि आज विशेष दिन पर अभियान की शुरुआत की जा रही है। मानसून के सक्रिय होने के साथ अलग-अलग स्तर पर लोगों को जोड़कर ये पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे और उनका रोपण कराया जाएगा। छायादार, फलदार और औषधि महत्व के पौधों पर हम विशेष ध्यान दे रहे हैं। ये पौधे हर दृष्टिकोण से उपयुक्त है और कुल मिलाकर मानव जाति का कल्याण करेंगे। उपस्थित लोगों ने अभियान की महत्ता स्वीकार किया और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने की शपथ ली। इन सभी को पौधे स्मृति के तौर पर दिए गए। कार्यक्रम में कृष्णा प्रसाद सोनी, कैलाश नाहक, पूर्व पार्षद लक्ष्मण श्रीवास सहित क्षेत्र के जागरूक लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधे

स्वामी आत्मानंद स्कूल कटघोरा में वन विभाग एवं स्काउट गाइड के तत्वाधान में वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया। डीएफओ कुमार निशांत, पाली एसडीओ चंद्रकांत टिकरिया, प्रशिक्षु डीएफओ व जड़गा रेंज प्रभारी ऋषभ जैन, कटघोरा रेंजर अशोक मन्नेवार, वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्काउट गाइड के बच्चों के द्वारा पौधे लगाए गए। इनके संरक्षण का संकल्प भी कार्यक्रम में लिया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्कूलों एवं छात्रावास में रोपे गए पौधे

कोरबा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंदई रेंज में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां मोरगा स्थित मिशन स्कूल में पौधरोपण के साथ ही इसकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में रेंजर अभिषेक दुबे व उनके स्टाफ के अलावा स्कूल की शिक्षक, शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं आसपास के ग्रामीण उपस्थित थे।

पसान वन परिक्षेत्र में आदिवासी बालक छात्रावास सिर्री में वन विभाग की ओर से पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उपस्थित अतिथियों के अलावा लोगों में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वनपाल ईश्वरदास मानिकपुरी, उनके स्टाफ तथा वन सुरक्षा समिति के सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई। वन परिक्षेत्र पाली में रेंजय संजय लकड़ा के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया।

नेताजी चौराहे पर लोगों को बांटे गए फलदार पौधे

कोरबा। पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर कोरबा में बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया गया। वन विभाग के साथ ही छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के द्वारा सुभाष चौक पर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरुक किया गया। इसके साथ ही लोगों के बीच फलदार पौधों का वितरण भी किया गया।

पूरे भारत देश में जिस तरह से भीषण गर्मी पड़ रहा है,उसका सबसे बड़ा कारण पर्यावरण का असंतुलित होना है। विकास के नाम पर जिस तरह से पेड़ों की आंधाधुंध कटाई की है उसका बुरा परिणाम भीषण गर्मी,बाढ़ और असहनिय ठंड के रुप में सामने आ रहा है। यही वजह है,कि पांच जून यानी बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर लोगों को जागरुक करने कोरबा में दिन विशेष को धूमधाम से मनाया गया। वन विभाग और छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के द्वारा सुभाष चौक पर बैनर पोस्टर के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक किया गया। इस मौके पर वन विभाग के अधिकारियों ने बताया,कि इस साल पर्यावरण दिवस के मौके पर बढ़ते हुए मरुस्थलीय क्षेत्र को कम करने की थीम पर काम किया जा रहा है। विभाग का प्रयास है,कि आने वाले समय में अधिक से अधिक पौधों का रोपण किया जाए,जिसके लिए लोगों के मध्य फलदार पौधों का विरतरण भी किया गया।

कई स्थानों पर लगाए गए पौधे

कोरबा। पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज एसईसीएल के कई स्थानों पर पौधे लगाए गए। एसईसीएल गेवरा एरिया जीएम ऑफिस क्षेत्र में अधिकारियों व जेसीसी सदस्यों ने पौधे लगाए। इस दौरान रेशमलाल यादव, दीपक उपाध्याय, प्रीतम राठौर सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। इसी तरह प्रगति नगर कालोनी क्षेत्र में दीपका के अधिकारियों व जेसीसी सदस्यों ने जाकर पौधे लगाए। कार्यक्रम को सफल बनाने में गिरिजा साहू, तरूण राहा, सतीश सिंह, संजीव शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया। केंद्रीय कर्मशाला कोरबा पूर्व गेस्ट हाउस में भी आज पौधे लगाए गए। इस दौरान अधिकारियों के साथ-साथ दिलीप सिंह, बी.आर. सुमन, राजेश पांडेय, भागवत साहू, संतोष टंडन, राजेंद्र यादव, बाबूलाल चंद्रा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

कारोबारी के घर में सेंध लगाकर 4 लाख की चोरी

कोरबा। पसान क्षेत्र में चोरों ने मिष्ठान्न व्यवसायी गौरव गुप्ता के घर में सेंधमारी कर अपनी योजना को सफल किया। उन्होंने अंदर रखी अलमारी को उठाने के साथ काफी दूर ले गए। जहां उसे तोड़कर साढ़े तीन लाख रुपए नकदी रकम और सोने चांदी के जेवरातों की चोरी कर ली। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरु कर दी है।

कोरबा में चोरों के हौंसले एक बार फिर से बुलंद हो चले है। जिले के सीमावर्ती क्षेत्र पसान स्थित गौरव गुप्ता के घर में सेंधमारी कर चोरी की एक बड़ी घटना को अंजाम दिया है। चोर किचन में सेंधमारी कर पहले भीतर घुसे फिर भारी-भरकम अलमारी को बाहर निकालकर कुछ दूर ले गए फिर उसे बड़े आराम तोड़ा और लॉकर में रखे साढ़े तीन लाख रुपए नकदी रकम,सोने चांदी के जेवरता ले उड़े। सुबह सुबह घटना की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस डॉग स्कॉड के साथ मौके पर पहुंची,लेकिन उससे भी कुछ खास सुराग हाथ नहीं लग सका। एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची और कुछ साक्ष्य जुटाया। अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध कायम कर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

कांग्रेसियों ने पटाखे फोड़े

कोरबा। कांग्रेस की ज्योत्सना महंत की जीत पर कांग्रेसियों ने जश्न मनाते हुए कई स्थानों पर पटाखे फोड़े। टीपी नगर व गेरवाघाट में युवा नेता कमील सिद्धकी ने लड्डु का वितरण किया कोसाबाड़ी चौंक पर कांग्रेस नेता श्याम नारायण सोनी के नेतृत्व में कार्यकर्ता एकत्रित हुए और जश्न मनाया। इसी तरह रजगामार क्षेत्र में दीपचंद केशरवानी, करतला में अमीन सिद्दिकी, बालको में गिरधारी बरेठ के नेतृत्व में पटाखे फोड़े गए। बांकीमोंगरा क्षेत्र में टिकाराम मनहर, प्रदीप अग्रवाल, राजेश मानिकपुरी, शैलेंद्र मिश्रा, संजय आजाद, नवलकिशोर पंडित, फिरोज अनंत के द्वारा जश्न मनाया गया। दीपका क्षेत्र में कांग्रेस नेता तनवीर अहमद, ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप सिंह, जिला महामंत्री प्रशांति सिंह, विशाल शुक्ला के द्वारा पटाखे फोड़े गए। इंटक कार्यालय जेपी कालोनी में भी गोपाल नारायण सिंह, संदीप चौधरी, किशोर सिन्हा, भागवत सिंह, अब्दुल माजिद, नरसिंह मूर्ति के द्वारा पटाखे फोड़े गए।

एलोन पहुंचा हाथियों का दल, ग्रामीणों को किया गया सतर्क

कोरबा। वनमंडल कोरबा के कुदमुरा रेंज में एक बार फिर हाथियों ने दस्तक दे दी है। धरमजयगढ़ वनमंडल से अचानक पहुंचे हाथियों के दल को आज सुबह एलोन के जंगल में विचरण करते हुए देखा गया और इसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा वन विभाग को दी गई। जिस पर वन अमला मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी में जुट गया है। एलोन व आसपास के गांव में मुनादी कराने के साथ ही ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है। हाथियों ने यहां पहुंचने से पहले रास्ते में कई ग्रामीणों की धान व मूंगफली की फसल को रौंद दिया है। जिसका आंकलन वन विभाग द्वारा किया जा रहा है। विभाग के सूत्रों के मुताबिक

हाथियों द्वारा फसल रौंदे जाने से ग्रामीणों को हजारों रूपए की चपत लगी है। हालांकि वन विभाग उसकी भरपाई के लिए रिपोर्ट तैयार कर रहा है। जिसे स्वीकृति के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा जाएगा। कुदमुरा रेंज में हाथियों की सक्रियता लगातार बने रहने से वनांचल के लोग दहशत में हैं। हालांकि वन विभाग द्वारा इस मामले में काफी सतर्कता बरती जा रही है। हाथियों के आते ही ग्रामीणों को सचेत कर दिया जाता है।

आवश्यकता है
होटल में कार्य करने हेतु एकाउंटेंट की।
-:संपर्क करें :-
7999550112
8815220759
होटल शीला ग्रीन हरिमंगलम
डी.डी.एम. स्कूल रोड कोरबा (छ.ग.)

मस्तिष्क में था मेडिकल कॉलेज की स्थापना का विचार:ज्योत्सना

कोरबा। कोरबा लोकसभा क्षेत्र की नवनिर्वाचित सांसद ज्योत्सना महंत ने आज पत्रकारों से बातचीत में इस बात को स्पष्ट किया कि कोरबा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना सुविचारित योजना के अंतर्गत की गई। उनके ससुर स्वर्गीय बिसाहू दास महंत की मृत्यु समय पर प्राथमिक चिकित्सा नहीं मिलने के कारण हुई थी। यह टीस मन मे थी। उन्हें श्रद्धांजलि देने और जनता की सेवा करने के उद्देश्य से इस काम को मेडिकल कॉलेज के माध्यम से किया।

कोरबा से दूसरी बार सांसद निर्वाचित हुई ज्योत्सना महंत ने चर्चा में कहां की कोरबा क्षेत्र में अलग-अलग विषय से जुड़ी हुई समस्याएं ज्यादा है। एक मामले का समाधान कर दिया जाए तो दूसरा विषय सामने प्रस्तुत हो जाता है यह अपने आप में चुनौती भी हैं। पिछले 5 वर्ष के कार्यकाल में ऐसी अनेक चीज सामने आई और उनके समाधान के लिए संसद के स्तर पर समुचित प्रयास किया गया और लोगों को राहत देने की कोशिश की गई। रेलवे सुविधाओं के साथ-साथ विस्थापित वर्ग से संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहां की इस चुनाव में निष्क्रियता से संबंधित आरोप भी लगे। हालांकि चुनाव मैदान में बिना विचलित हुए अपनी भूमिका निभाई गई। उन्होंने स्वीकार किया कि कई मौके पर अलग-अलग विषय को लेकर उनकी खींचाई भी होती रही और यह अत्यंत स्वाभाविक भी है।

लोकसभा क्षेत्र से मिली हुई जीत को लेकर उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ-साथ जनता के प्रति आभार जताया।

मदिरा लेने गए युवक पर चाकू से हमला

कोरबा। ऊर्जा नगरी कोरबा में मदिरा लेने शराब दुकान गए युवक चाकू के हमले में घायल हो गया उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां स्थिति खतरे से बहार बताई गई है। जानकारी के अनुसार ग्राम तिलकेजा निवासी डिगेश्वर वर्तमान में मुड़ापार स्थित किराए के मकान में निवासी करता है। डिगेश्वर मदिरा लेने के लिए टीपी नगर स्थित शराब दुकान गया हुआ था,जहां अत्यधिक भीड़ होने के कारण एक युवक ने उस पर किसी बात को लेकर चाकू से हमला कर दिया। चाकू के वार में डिगेश्वर के सीने में चोट लगी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां उसका उपचार जारी है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com